RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 149 , रविवार, 12 जुलाई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

परिवार नियोजन सेवा पखवाड़े का शुभारंभ, डीडीसी ने दिखाई जागरूकता वाहन को हरी झंडी 03

आरपीसीएयू के कुलपति डॉ. पीएस पांडेय ने खुद की धान की रोपनी 04

अपनी उर्जा को रचनात्मक दिशा में लगाएं युवाः कंगना रनौत 07

संक्षिप्त समाचार

सीएम योगी का कुशीनगर की धरती से सपा को संदेश

- मंदिरों पर कब्जा कराते थे, आज हमें आईना दिखा रहे

कुशीनगर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर चुन-चुनकर हमला किया। योगी ने कहा कि आज हर धर्म के लोग अपना त्योहार मना रहे हैं। सपा सरकार में दुर्गा पूजा के समय प्रतिमा नहीं रखने दी जाती थी। होली पर रंग नहीं लगाने देते थे। डोल मेले पर रोक लगाते थे। ये लोग अयोध्या, मथुरा और काशी के बारे में कैसे सोचते थे। मंदिरों पर कब्जा कराते थे। अब मंदिरों पर कब्जा नहीं सुंदरीकरण हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुशीनगर के रामकोला हाटा विधानसभा क्षेत्र की 525 करोड़ की 464 परियोजनाओं का शनिवार को लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा मंदिरों के सुंदरीकरण का पैसा कब्रिस्तान पर खर्च करती थी। आज हमें आईना दिखा रहे हैं, यह शोभा नहीं देता है। आज हर जगह विकास हो रहा है। कुशीनगर की एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी शुरू होने वाली है। यहां टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं।

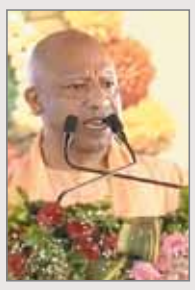

रेप के आरोपी ने जमानत मिलते ही की 6 हत्याएं

पहले पत्नी-बच्चों, फिर पीड़ित और उसके परिवार को मार डाला

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में नाबालिग से रेप के एक आरोपी ने शुक्रवार रात जमानत पर बाहर आते ही 6 हत्याएं कर दीं। पहले उसने अपनी 30 साल की पत्नी, 4 साल और 18 महीने के दो बेटों की हत्या की। इसके बाद वह करीब 6 किलोमीटर दूर दूसरे गांव पहुंचा। जहां उसने 17 साल की रेप पीड़ित, उसकी मां और नानी को भी मार दिया। लड़की ने 16 मई को पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपी राजकुमार के खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया था। परिवार बोला- पहले ही मारने की धमकी दी थी लड़की के मामा नरेश ने बताया, उसने मेरी चाची और भांजी की हत्या कर दी। उसने पहले भी लड़की को परेशान किया था और उस पर पॉक्सो के तहत मामला दर्ज किया गया। उसने धमकी दी थी वह एक-दो हफ्ते में पूरे परिवार को मार डालेगा। मामला दर्ज होने के बाद भी उसे पूछताछ या रिमांड के लिए नहीं ले जाया गया। उसके परिवार को पता था कि वह कहां है, लेकिन पुलिस को जानकारी नहीं थी और मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

दतिया उपचुनाव में नरोत्तम का टिकट कटने पर बवाल

एसपी समेत 8 पुलिसकर्मी घायल, जिले में धारा 163 लागू

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर 30 जुलाई को चुनाव होना है। यहां से भाजपा ने आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया है। शुक्रवार शाम यह खबर फैलते ही एमपी के पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा के समर्थक भड़क गए। उन्होंने हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। कुछ देर में पथराव, चक्काजाम और पुलिस से झड़प शुरू हो गई। शनिवार सुबह प्रशासन ने पूरे जिले में बीएनएस की धारा 163 लागू कर दी। इसके तहत

बिना अनुमति किसी भी सभा, जुलूस, धरना-प्रदर्शन और सार्वजनिक आयोजन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। साथ ही पांच या उससे अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर भी रोक लगा दी गई है। प्रदेश सरकार के वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दतिया विधानसभा उपचुनाव में भाजपा के भीतर चल रही नाराजगी पर कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक पार्टी है। कार्यकर्ताओं को अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। उन्होंने विश्वास जताया कि संगठन सभी कार्यकर्ताओं से संवाद करेगा।

स्वदेशी मिसाइल-सेंसर से लैस

महेंद्रगिरि नौसेना में हुआ शामिल

राजनाथ बोले-आंध्र प्रदेश बनेगा देश का ड्रोन हब

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम नेवल डॉकयार्ड में आईएनएस महेंद्रगिरि को भारतीय नौसेना में शामिल (कमीशन) किया। महेंद्रगिरि प्रोजेक्ट-17ए की नीलगिरि कैटेगरी का छठा स्टेल्थ फ्रिगेट (युद्धपोत) है। इसे बनाने में 75 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी उपकरण और तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। आईएनएस महेंद्रगिरि स्वदेशी अत्याधुनिक हथियारों, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम से लैस है। यह हवाई हमलों, दुश्मन के जहाजों और पनडुब्बियों से एक साथ मुकाबला करने में सक्षम है। यह हिंद महासागर में भारत की समुद्री सुरक्षा को और मजबूत करेगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि आंध्र प्रदेश के कुरनूल में आठ ड्रोन कंपनियों के समूह के साथ ड्रोन सिटी विकसित की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिस तरह सूरत डायमंड सिटी और बेंगलुरु सिलिकॉन वैली के नाम से जाना जाता है, उसी तरह आने वाले समय में कुरनूल देश का ड्रोन हब बनेगा।

- **पर्वतों-नदियों के नाम पर युद्धपोतों के नाम रखे-** आईएनएस महेंद्रगिरि का नाम जिस महेंद्रगिरि पर्वत पर रखा गया है, उसका धार्मिक महत्व भी है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह पर्वत भगवान परशुराम की तपस्थली थी। रामायण में भी इसका उल्लेख मिलता है। भारतीय नौसेना अपनी कई युद्धपोतों के नाम देश के ऐतिहासिक पर्वतों, नदियों और विरासत से जुड़े स्थलों पर रखती है, जिससे सैन्य परंपरा का मान मिलता है।

75 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी तकनीक

इसे भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने डिजाइन किया है और मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने तैयार किया है। युद्धपोत में 75 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी उपकरण और तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इसके निर्माण में देशभर की कई कंपनियों ने भी योगदान दिया है, जिससे रक्षा उत्पादन को बढ़ावा मिलने के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। महेंद्रगिरि में आधुनिक सरफेस-टू-सरफेस और सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम, एडवांस इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम, एंटी-सबमरीन वॉरफेयर सिस्टम और इंटीग्रेटेड कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम लगाए गए हैं। महेंद्रगिरि में उन्नत स्टेल्थ तकनीक दी गई है, जिससे इसकी रडार पर पहचान करना मुश्किल होगा। इसमें कम्बाइंड डीजल और गैस प्रोपल्शन सिस्टम लगाया गया है, जो इसे लंबी दूरी तक तेज गति से संचालन की क्षमता देता है।

वियतनाम में टूरिस्ट बोट पलटी, 15 भारतीयों की मौत

- 32 भारतीय सवार थे, इनमें ज्यादातर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के पर्यटक

हनोई (एजेंसी)। वियतनाम के फु क्वोक द्वीप के पास शनिवार को बोट पलट गई। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, इनमें से 32 भारतीय थे। 15 भारतीयों की मौत हो गई। ज्यादातर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के पर्यटक थे। बोट पर कुल 4 क्रू मेंबर्स समेत 36 लोग सवार थे। 21 लोगों को बचा लिया गया है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक हादसा सुबह 10.30 बजे हुआ। हादसे की वजह ऊंची लहरें प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे की वजह समुद्र की ऊंची लहरें हो सकती हैं। जो वीडियो सामने आए, उनमें लहरें उठती दिख रही हैं। बताया जा रहा है कि टूरिस्ट लाइफ जैकेट नहीं पहने हुए थे। नाव जब पलटी तो टूरिस्ट नाव के नीचे फंस गए। बोट भारतीय पर्यटकों को फु क्वोक द्वीप के पास स्थित 'होन मे रुट' से न्होआई द्वीप घुमाने ले जा रही थी, लेकिन यह तट से लगभग 400 मीटर पहले ही पलट गई।

मैं 25 साल पुराना मफलर पहनकर न्यूजीलैंड आया

- मोदी बोले-यहीं मुझे गिफ्ट में मिला था, आज भी संभालकर रखा है
- कहा-हमारे लिए देश की जनसंख्या नहीं, उनकी भावना मायने रखती है

ऑकलैंड (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शनिवार को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने करीब तीन दशक पुराना किस्सा सुनाया। पीएम ने कहा- 25-30 साल पहले जब मैं किसी सरकार का हिस्सा नहीं था, तब मुझे यहां आने का मौका मिला था। उस समय मुझे किसी ने गिफ्ट में 3 चीजें दीं, जो मैं भारत लेकर गया।

एक- मफलर, दूसरी- कैप और तीसरा- एक सेट दस्ताना। उसमें भी एक चीज मैं अभी यहां इस कार्यक्रम में भी लेकर आया हूं। इस मफलर को मैंने कई बार इस्तेमाल किया और आज भी संभाल कर रखा है। पीएम ने आगे कहा कि हमारे लिए सामने वाले देश की जनसंख्या नहीं, जनकल्याण की भावना मायने रखती है। और इसलिए हमने न्यूजीलैंड से भी बहुत कुछ सीखा है और अब भी सीख रहे हैं।

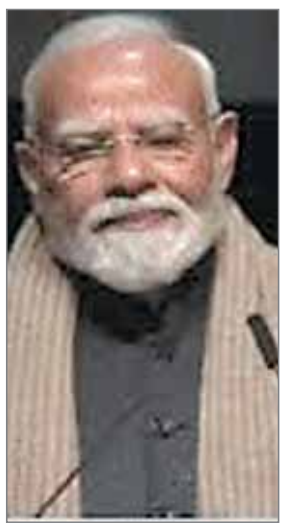

- **भारत और न्यूजीलैंड का भविष्य जुड़ा है-** अगर हम कंटेंट क्रिएटर्स की भाषा में बात करें तो ये कोलेब का जमाना है। दोनों देश स्पोर्ट्स में भी बहुत शानदार कोलेब कर सकते हैं। रग्बी इसका बहुत बड़ा उदाहरण है। भारत रग्बी में न्यूजीलैंड से सीखना चाहता है। हमें कोच चाहिए, एक्सपर्ट चाहिए। न्यूजीलैंड हमारी बहुत मदद कर सकता है।
- **चंद्रयान की लैंडिंग पर न्यूजीलैंड नाच रहा था-** भारत और न्यूजीलैंड का भविष्य जुड़ा है। स्पेस से सेक्टर इसका बहुत बड़ा उदाहरण है।

भारत का चंद्रयान जब मून के साउथ पोल पर लैंड किया तो न्यूजीलैंड नाच रहा था। उस दिन हमें गर्व हुआ। यहां की स्पेस कंपनियों ने कई बार हमारे साथ मिलकर काम किया है।

- **हजारों किमी की दूरी, मगर दिल में हिंदुस्तान-** हजारों किमी दूर रहते हुए भी आपके दिल के किसी कोने में कहीं न कहीं हिंदुस्तान बसता ही है। शरीर यहां होगा मन भारत में होगा। इसलिए आप भारत की हर उपलब्धि पर भी नजर रखते हैं।

देश की जनसंख्या नहीं, जनकल्याण भावना अहम

हमारे लिए सामने वाले देश की जनसंख्या नहीं, जनकल्याण की भावना मायने रखती है। और इसलिए हमने न्यूजीलैंड से भी बहुत कुछ सीखा है और अब भी सीख रहे हैं। यह वो देश है जिसने सबसे पहले महिलाओं को वोटिंग का अधिकार दिया था। पीएम मोदी ने कहा- भारतीय पीएम को न्यूजीलैंड आने में 40 साल लगे हैं, अब इतना लंबा इंतजार आपको नहीं करना पड़ेगा। ये मोदी की गारंटी है और मोदी की गारंटी का मतलब गारंटी पूरा होने की गारंटी है।

बारुईपुर हिंसा में मारे गए इंद्रजीत के परिजनों को मिलेंगे 25 लाख

- भाई को नौकरी भी देगी सरकार

कोलकाता (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी शनिवार को दक्षिण 24 परगना के बारुईपुर में दुष्कर्म व हत्या की शिकार नाबालिग के परिवार के साथ भीड़ की पिटाई में मारे गए इंद्रजीत मंडल के स्वजन से मुलाकात की। इंद्रजीत के परिवार को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक सौंपा गया। उनके बड़े भाई को सूर्यपुर पुलिस चौकी में सिविक वालंटियर की नौकरी भी दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पीड़ित बच्ची के परिवार के साथ भी पूरी तरह खड़ी है। इस दौरान शुभेंदु अधिकारी ने सूर्यपुर में नई पुलिस चौकी का उद्घाटन भी किया। उन्होंने बताया कि नाबालिग के स्वजन ने चार दिन पहले पुलिस चौकी की मांग की थी, जिसे रिकार्ड समय में पूरा किया गया।

- **रेलवे लाइन को नुकसान पहुंचाने वाले राष्ट्रविरोधी-** मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि रेलवे लाइन को नुकसान पहुंचाने वाले लोग राष्ट्रविरोधी हैं और उन्हें दंड मिलना चाहिए। साथ ही उन्होंने पुलिस को निर्देश दिया कि निर्दोष लोगों को किसी प्रकार की प्रताड़ना का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि डर केवल हत्यारों, दुष्कर्मियों और तोड़फोड़ करने वालों को होना चाहिए, आम लोगों को नहीं। मुख्यमंत्री ने कामदुनी दुष्कर्म और हत्या मामले का भी उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार अब सुप्रीम कोर्ट में पीड़ित परिवार का कानूनी सहयोग करेगी।

2029 से लागू हो सकता है

वन नेशन वन इलेक्शन

- संसदीय समिति के अध्यक्ष बोले-99 फीसदी लोग पक्ष में
- अब राज्यों के विशेषज्ञों से सलाह ले रहे, जल्द होगा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) कोशिश कर रही है कि 2029 के लोकसभा चुनावों तक 'वन नेशन वन इलेक्शन' लागू हो सके। समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी के मुताबिक, अब तक चर्चा में शामिल लगभग 99 फीसदी नागरिक और संगठनों ने इसका समर्थन किया है। समिति ने गोवा के मुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्रियों सहित कई राज्यों के विशेषज्ञों से इस पर सलाह

ली है। गोवा दौरे पर गए समिति के सदस्य और भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को कहा कि बार-बार चुनाव से छोटे राज्य गोवा पर इतना प्रभाव पड़ता है, तो बड़े राज्यों और पूरे देश पर इसका असर और भी ज्यादा होता होगा। उन्होंने बताया कि समिति का अगला दौरा लखनऊ का होगा, जहां मुख्यमंत्री, विपक्ष के नेता, राजनीतिक दलों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों से चर्चा की जाएगी।

- **संविधान में गुंजाइश है, लेकिन सहमति पर जोर-** लॉ कमीशन के पूर्व सदस्य और मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के लॉ कॉलेज के डीन आनंद पालीवाल ने कहा कि एक देश-एक चुनाव को चरणबद्ध तरीके से लागू करने के लिए संवैधानिक विकल्प मौजूद हैं। कुछ राज्यों में विधानसभा का कार्यकाल पूरा होने से पहले चुनाव कराए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों में कार्यकाल बढ़ाने के विकल्प भी हैं। भारत में पहले भी विशेष परिस्थितियों में लोकसभा और विधानसभाओं के कार्यकाल में बदलाव किए गए हैं। हालांकि किसी भी व्यापक बदलाव के लिए संसद द्वारा आवश्यक कानूनी प्रावधान और राजनीतिक सहमति जरूरी होगी। एक राष्ट्र-एक चुनाव पर विचार करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता में 2 सितंबर 2023 को एक पैनल का गठन किया गया था। इस पैनल ने हितधारकों-विशेषज्ञों के साथ चर्चा और 191 दिनों के शोध के बाद 14 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी।

सभी मैसेजिंग ऐप्स को लेकर एक जैसे नियम बनाने का प्लान

वाट्सएप विवाद के बीच ऐक्शन में मोदी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के लिए एक जैसे नियम बनाने पर विचार कर रही है। सरकार को वाट्सएप के प्रस्तावित यूजरनेम फीचर को लेकर चिंता है। अधिकारियों को डर है कि इससे किसी और का रूप धरने ऑनलाइन धोखाधड़ी और डिजिटल अरेस्ट स्कैम का खतरा बढ़ सकता है। सूत्रों के मुताबिक इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय देश में चल रही मैसेजिंग सेवाओं के लिए कॉमन स्टैंडर्ड्स (मानक) बनाने पर काम कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस कदम का मकसद यह पक्का करना है कि सभी प्लेटफॉर्म्स पर एक जैसे नियम लागू हों और उनके फीचर्स को लेकर सरकार के फैसलों को स्पष्ट कानूनी आधार मिले। मंत्रालय

वाट्सएप के प्रस्तावित यूजरनेम फीचर का औपचारिक रूप से विरोध करने की भी तैयारी कर रहा है। उसे चिंता है कि इससे कानून लागू करने वाली एजेंसियों के लिए अपराधों की जांच करना मुश्किल हो सकता है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों के मुताबिक इस फीचर को लाने के पक्ष में नहीं हैं। भारत में इसके बहुत बड़े यूजर बेस को देखते हुए, यूजरनेम से अरेस्ट स्कैम बढ़ सकते हैं।

- **अभी नहीं है कोई साफ नियम-** सरकार मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के लिए एक जैसे नियम बनाना चाहती है। अधिकारियों का मानना है कि अभी नियमों में कुछ कमी है, इसलिए सरकार सभी के लिए एक जैसे नियम लाने की कोशिश कर रही है। अभी, अधिकारी किसी प्लेटफॉर्म को कोई खास फीचर लाने से रोक सकते हैं, भले ही दूसरी कंपनियां भी वैसी ही सुविधाएं दे रही हों, जबकि ऐसा करने या न करने के बारे में कोई साफ नियम नहीं है।
- **ताकि मिल सके कानूनी आधार-** हम मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के लिए कॉमन स्टैंडर्ड्स लाने पर भी विचार कर रहे हैं, ताकि ऐसे फैसलों को कानूनी आधार मिल सके। ऐसा नहीं हो सकता कि हम किसी एक प्लेटफॉर्म को कोई फीचर लाने से रोकें, जबकि दूसरे प्लेटफॉर्म को वही फीचर देने की इजाजत दें। नियम सभी के लिए एक जैसे होने चाहिए। कोई भी फाइनल फैसला लेने से पहले हम सभी के साथ इस पर चर्चा करेंगे।

बिहार के विधायकों को भी मिलेगी 'एआई' की ट्रेनिंग

सीएम सम्राट ने कहा-जल्द शुरू होगा एक ट्रेनिंग सेशन

गयाजी (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को कहा कि लोकतंत्र की मजबूती जनप्रतिनिधियों की सक्रियता और जवाबदेही पर निर्भर करती है। उन्होंने विधायकों से आह्वान किया कि वे विधानसभा की कार्यवाही और संसदीय प्रक्रियाओं का अधिकतम उपयोग करते हुए जन समस्याओं को प्रभावी ढंग से सरकार तक पहुंचाएं। सम्राट चौधरी ने बदलते तकनीकी दौर का उल्लेख करते हुए बिहार विधानसभा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने की आवश्यकता जताई। गया जी बिहार इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड रूरल डेवलपमेंट (बिपार्ड) में में उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी अपने क्षेत्र की समस्याओं, अपेक्षाओं और सुझावों को सदन के माध्यम से सरकार तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रश्नकाल, शून्यकाल, ध्यानाकर्षण, कटौती प्रस्ताव और अन्य संसदीय उपकरण केवल औपचारिक प्रक्रियाएं नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र में जनता की आवाज को मजबूती देने के प्रभावी माध्यम हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया तेजी से बदल रही है और तकनीक का महत्व बढ़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

महुआ में बच्चा विवाद पर मारपीट, मिर्जानगर डोगरा गांव में 2 लोग गंभीर घायल, लोगों ने पहुंचाया स्वास्थ्य केंद्र

हाजीपुर। वैशाली के महुआ थाना क्षेत्र स्थित मिर्जानगर डोगरा गांव में बच्चा विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इस घटना में एक पक्ष के दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत महुआ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें हाजीपुर सदर अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उनका इलाज जारी है। घायल व्यक्ति की पहचान महुआ थाना क्षेत्र के मिर्जानगर डोगरा गांव निवासी स्वर्गीय भोगी राय के 65 वर्षीय पुत्र बालेश्वर राय के पुत्र रमेश कुमार (35) के रूप में हुई है। रमेश कुमार ने बताया कि उनके पाटीदार के चाचा की पत्नी सुधा राय (स्वर्गीय सुबोध राय की पत्नी) का सिवान जिले के सुनील कुमार पासवान के साथ कथित तौर पर संबंध है। इसी बात को लेकर पूर्व के बच्चा विवाद के बहाने बेवजह गाली-गलौज की जा रही थी। रमेश के अनुसार, जब उन्होंने गाली-गलौज का कारण पूछा, तो सुधा राय, सुनील कुमार पासवान और रविंद्र राय के पुत्र रितिक कुमार ने मिलकर उनके साथ बेरहमी से मारपीट की। रमेश ने यह भी बताया कि बुधवार को ही स्वर्गीय ब्रह्मदेव राय के पुत्र रामा राय भी सुधा राय के कहने पर मारपीट करने आए थे। तब उन्होंने 112 पर कॉल करके पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस मौके पर पहुंची और समझा-बुझाकर चली गई थी। इसके बाद सुधा राय के लड़के ने कथित तौर पर अपने घर का करकट तोड़ दिया और उन्हें फंसाने का प्रयास किया जा रहा है।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान में रचनात्मकता का प्रदर्शन चित्रकला, स्लोगन लेखन और निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित

हाजीपुर। वैशाली को बाल विवाह की कुप्रथा से पूरी तरह मुक्त करने के उद्देश्य से हाजीपुर सदर प्रखंड स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय विशुनपुर बालाधारी में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान' के तहत हुई इस संकल्प सभा में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसका आयोजन स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान (SKSSSS) और 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन' (JRC) परियोजना ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्या डॉ. शालिनी सिंह ने की, जबकि इसका संचालन अधिकार मित्र संतोष कुमार द्वारा किया गया। इस दौरान चित्रकला, स्लोगन लेखन और निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। चित्रकला प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र रही। बच्चों ने अपने चित्रों के माध्यम से समाज से बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने का सशक्त संदेश दिया। कई चित्रों में 'पढ़ाई पहले, शादी बाद में' और 'बाल विवाह अपराध है' जैसे विषयों को दर्शाया गया, जिसकी सभी उपस्थित लोगों ने सराहना की। 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन' के निदेशक एवं संस्थान के सचिव डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला ने बच्चों की रचनात्मक कला की सराहना की। उन्होंने कहा कि बाल विवाह न सिर्फ एक कानूनी अपराध है, बल्कि यह बच्चों के सुनहरे भविष्य को भी नष्ट करता है। डॉ. शुक्ला ने शिक्षा को बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं को समाप्त करने का सबसे सशक्त माध्यम बताया और वर्ष 2030 तक जिले को पूरी तरह बाल विवाह मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा। अधिकार मित्र संतोष कुमार ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए बाल विवाह के कानूनी प्रावधानों, स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों और बच्चों के मौलिक अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बाल विवाह निषेध कानून की जानकारी दी और आपातकालीन सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर भी साझा किए। विद्यालय की प्राचार्या डॉ. शालिनी सिंह ने संस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए विद्यालय प्रबंधन की ओर से इस मुहिम को पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम की सफलता में शिक्षिका पूनम कुमारी सिंह, सुल्ताना परवीन और नीलम गुप्ता की सक्रिय सहभागिता रही।

कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन पुल का 99.8% काम पूरा, 14 से 17 जुलाई के बीच हो सकता है उद्घाटन

हाजीपुर। उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच सड़क संपर्क की तस्वीर बदलने वाली बहुप्रतीक्षित कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन गंगा पुल परियोजना अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। परियोजना का करीब 99.8 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। अगले सप्ताह इसके उद्घाटन की पूरी संभावना जताई जा रही है। उद्घाटन को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था से लेकर कार्यक्रम स्थल के चयन तक की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। सूत्रों के अनुसार, पुल का उद्घाटन बिदुपुर की ओर से किया जाएगा। संभावना है कि 14 जुलाई से 17 जुलाई के बीच मुख्यमंत्री द्वारा इस महत्वाकांक्षी परियोजना का लोकार्पण किया जा सकता है। हालांकि, आधिकारिक कार्यक्रम की घोषणा अभी बाकी है। पुल के उद्घाटन को देखते हुए जिला प्रशासन और संबंधित विभाग पूरी तरह सक्रिय हो गए हैं। कार्यक्रम स्थल को अंतिम रूप देने, सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने, यातायात प्रबंधन और वीआईपी मूवमेंट की तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं। यह पुल शुरू होने के बाद पटना, वैशाली, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी और उत्तर बिहार के अन्य जिलों के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। लंबे समय से इस परियोजना का इंतजार किया जा रहा था। इसके चालू होने से राजधानी पटना और उत्तर बिहार के बीच यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा, साथ ही महात्मा गांधी सेतु पर बढ़ते ट्रैफिक का दबाव भी कम होने की उम्मीद है।

अनशन पर बैठे छात्र की तबीयत बिगड़ी, दूसरे दिन भी डटे रहे गोल्ड मेडलिस्ट अविनाश

मुजफ्फरपुर। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में PAT 2023-24 की मेरिट लिस्ट को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। भूगोल विषय के गोल्ड मेडलिस्ट छात्र अविनाश कुमार का विश्वविद्यालय परिसर स्थित धरना स्थल पर आमरण अनशन शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। अनशन के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ने पर देर शाम सदर अस्पताल की मेडिकल टीम ने स्वास्थ्य जांच की, जिसमें उनका ब्लड प्रेशर और शुगर लेवल सामान्य से कम पाया गया। अनशन पर बैठे अविनाश ने कहा कि जब तक उनकी तीन सूत्री मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन और गोल्ड मेडलिस्ट होने के बावजूद उन्हें साजिश के तहत PAT की मेरिट लिस्ट से बाहर कर दिया गया। उन्होंने कहा, "मैंने अपनी बात विश्वविद्यालय के कुलपति सहित कई अधिकारियों के सामने रखी, लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हुई। मानसिक रूप से काफी परेशान रहा और आत्महत्या तक का विचार आया, लेकिन अब अपने अधिकार के लिए शांतिपूर्ण तरीके से लड़ाई लड़ूंगा। मांगें पूरी होने तक आमरण अनशन जारी रहेगा।" दोपहर में विश्वविद्यालय के कुछ अधिकारी आंदोलनरत छात्रों से बातचीत करने पहुंचे, लेकिन वार्ता का कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकल सका। छात्र नेता डॉ. चंदन यादव ने कहा कि जब तक विज्ञापित सीटों पर आरक्षण रोस्टर का पालन करते हुए नई मेरिट लिस्ट प्रकाशित नहीं की जाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। वहीं, छात्र लोजपा के प्रदेश प्रधान महासचिव गोल्डेन सिंह ने मांग की कि इतिहास और भूगोल विभाग में डीन की अनुपस्थिति में कराए गए साक्षात्कार को रद्द कर फिर इंटरव्यू कराया जाए। अनशन स्थल पर इतिहास विषय के गोल्ड मेडलिस्ट अभिषेक कुमार भी मौजूद रहे। आंदोलन को वीआईपी सहित विभिन्न छात्र संगठनों और राजनीतिक दलों का समर्थन मिला। वीआईपी के प्रदेश उपाध्यक्ष निलाभ कुमार ने कहा कि गोल्ड मेडलिस्ट छात्रों की मांगें पूरी तरह जायज हैं और विश्वविद्यालय प्रशासन को निष्पक्ष निर्णय लेते हुए उन्हें न्याय देना चाहिए। उधर, छात्र संगठनों ने स्पष्ट किया है कि यदि विश्वविद्यालय प्रशासन ने जल्द कोई ठोस फैसला नहीं लिया, तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। फिलहाल PAT मेरिट लिस्ट को लेकर विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों का विरोध लगातार जारी है।

लगातार हो रही बारिश से कई इलाकों में जलभराव की स्थिति

एजेंसी, पटना

बिहार में जुलाई माह के शुरुआत से ही मॉनसून पूरी तरह एक्टिव है। शुक्रवार रातभर लगातार हो रही बारिश से पटना के कई इलाकों में जल भराव की स्थिति देखने को मिली है। मौसम विभाग के मुताबिक, 10 जुलाई 2026 को शाम 5:30 बजे से 11 जुलाई 2026 को सुबह 8:30 बजे तक पटना के अनीसाबाद क्षेत्र में 46.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जबकि अगले कुछ घंटों के पूर्वानुमान को देखते हुए, 10 जुलाई 2026 की शाम 5:30 बजे से 11 जुलाई 2026 की शाम 5:30 बजे तक पटना में कुल 75 से 85 मिमी वर्षा होने की संभावना है।

निगम आयुक्त ने खुद ही बारिश को दौरान सड़कों पर निकलकर जलजमाव की स्थिति का जायजा लिया। । उन्होंने संबंधित नगर निकाय एवं अन्य एजेंसियां जल निकासी व्यवस्था को सुचारु रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा है कि स्थानीय जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहें। पटना नगर निगम की टीम भी लगातार फील्ड पर जल निकासी के लिए काम कर रही है। मॉनसून को लेकर सभी वरीय पदाधिकारी, 3 अपर नगर आयुक्त, 2 डीएमसी, सभी कार्यकारी अभियंता (एग्जीक्यूटिव इंजीनियर) , 19 क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) फील्ड पर उतरी हुई है।

हर टीम में 3 लोग हैं। इन्हें एक-एक गाड़ी दी गई है, ताकि बारिश के दौरान टीमें लगातार क्षेत्र का दौरा कर सकें और जल निकासी कार्यों की निगरानी करते हुए आवश्यक कार्रवाई कर सकें। इसी क्रम में हज भवन के समीप पेड़ गिरने की सूचना प्राप्त होने पर पटना नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर पेड़ को हटाया और यातायात व्यवस्था को सामान्य किया। दूसरी ओर बुडको द्वारा भी लगातार शहर के प्रमुख नालों, पंप हाउसों और जलभराव वाले क्षेत्रों की 24 घंटे डिजिटल मॉनिटरिंग की जा रही है।

नाले में पानी का स्तर बढ़ते ही ऑटोमैटिक पंप चालू किया गया है। इससे शहर में जलजमाव की स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी। पटना शहर में कुल 56 स्थाई और 35 अस्थाई डीपीएस हैं। वहीं, शहर की जलनिकासी के लिए कुल 364 पंपों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिनमें 265 इलेक्ट्रिक चालित और 99 डीजल पंप शामिल हैं। स्थाई डीपीएस पर 256 पंप और अस्थाई डीपीएस पर 83 पंप लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त 8 नए डीपीएस भी तैयार किए गए है।

नितिन नवीन ने 20 घंटे बाद दी नीरज को बधाई

एजेंसी, पटना

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा जाने से खाली हुई बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में भाजपा को नामांकन के अगले ही दिन अपना कैंडिडेट बदलना पड़ा। पहले घोषित कैंडिडेट अभिषेक सिन्हा ने नाम वापस लेने का ऐलान कर दिया है। पार्टी ने उनकी जगह नीरज सिन्हा को नया उम्मीदवार बनाया है। बांकीपुर में 30 जुलाई को वोटिंग है और तीन अगस्त को काउंटिंग होगी। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बांकीपुर सीट से पार्टी के नए उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा को करीब 20 घंटे बाद बधाई दी है।

72 घंटे में भाजपा कैंडिडेट के बदले जाने पर लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने तंज कसा है। उन्होंने X पर लिखा- 'नामांकन खत्म होने के तीन दिन पहले तक जो पार्टी अपना दूल्हा तय नहीं कर पा रही, वो क्षेत्र का भविष्य क्या खाक तय करेगी?' रोहिणी ने कहा- 'अंतिम वक्त पर प्रत्याशी बदलना साफ तौर पर ये दर्शाता है कि बीजेपी को ये आभास हो गया है कि बांकीपुर में जमीन खिसकने वाली है, अंतिम वक्त का बदलाव' रणनीति नहीं, बल्कि चुनावी डर का सबसे बड़ा सबूत है।'

नामांकन रद्द होने का था डर!: सूत्रों के मुताबिक, अभिषेक के नामांकन पत्र में परिवार और एजुकेशन से जुड़ी जानकारी में गड़बड़ियों के चलते भाजपा ने यह फैसला लिया। भाजपा को डर था गड़बड़ियों के चलते अभिषेक का नामांकन कैंसिल हो सकता है। इसी सीट से चुनाव लड़ रहे जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर (PK) और RJD चुनाव में इसे मुद्दा बना सकते हैं। हालांकि अभिषेक ने नाम वापसी के लिए पारिवारिक कारणों का हवाला दिया है। नए कैंडिडेट नीरज सिन्हा 20 साल से पार्टी से जुड़े हैं। वे नितिन नवीन के करीबी बताए जा रहे हैं। फिलहाल, मंडल अध्यक्ष हैं। नितिन नवीन ने इसी साल 30 मार्च को बांकीपुर विधानसभा सीट से इस्तीफा दिया था।

ज्वेलर्स को मारी गोली, डेढ़ लाख रुपए से भरा बैग लेकर बदमाश फरार

एजेंसी, मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर में बेखौफ अपराधियों ने एक ज्वेलर्स को गोली मारकर लूट की वारदात को अंजाम दिया। बाइक से दुकान बंद कर घर लौट रहे व्यवसायी को बदमाशों ने पहले घेरा, फिर गोली मारकर करीब डेढ़ लाख रुपए से भरा बैग छीन लिया। घायल का इलाज एसकेएमसीएच में चल रहा है। घटना औराई थाना क्षेत्र की है। घायल की पहचान महिसौथा निवासी बबलू कुमार उर्फ बबलू साह के रूप में हुई है। शुक्रवार रात करीब आठ बजे वह अपनी सोना-चांदी की दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहे थे। बैग में दिनभर की बिक्री के रुपए रखे थे।

घायल बबलू कुमार ने बताया कि, रास्ते में दो युवकों ने उनका पीछा किया और बैग के बारे में पूछताछ की। बैग में कुछ नहीं होने की बात कही तो दोनों वहां से हट गए। कुछ दूर आगे बढ़ते ही सामने से बाइक सवार अन्य बदमाश पहुंच गए और चारों तरफ से घेर लिया। अपराधियों ने बैग छीनने का प्रयास किया। छीना-झपटी में बैग का स्ट्रैप टूट गया। बदमाशों ने हथियार निकाल लिया तो जान बचाने के लिए बाइक छोड़कर भागने लगा। इसी दौरान अपराधियों ने दो राउंड फायरिंग की। पहली गोली नहीं लगी, जबकि दूसरी गोली लगते ही सड़क पर गिर पड़ा। वारदात के बाद अपराधी बैग लेकर मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस पहुंची और घायल को इलाज के लिए एसकेएमसीएच भेजा। पुलिस ने घटनास्थल की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

पटना अपहरण, 4 दिन बाद भी बंटी का सुराग नहीं

एजेंसी, पटना

पटना के चर्चित बंटी अपहरण कांड की गुत्थी चार दिन बाद भी नहीं सुलझ सकी है। पटना पुलिस, एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) और स्पेशल इंटेलिजेंस यूनिट (SIU) की संयुक्त टीमें लगातार छापेमारी और तकनीकी जांच में जुटी हैं, लेकिन अब तक न तो अपहर्ताओं का कोई ठोस सुराग मिला है और न ही बंटी का पता चल सका है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जांच में तकनीकी साक्ष्यों के साथ-साथ मुखबिर तंत्र का भी सहारा लिया जा रहा है। अब तक दो दर्जन से अधिक संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा चुकी है। टावर लोकेशन और अन्य इनपुट के आधार पर पटना से दीदारगंज और मुंगेर के जमालपुर तक पुलिस की कई टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

100 से ज्यादा CCTV फुटेज खंगालेः प्रारंभिक जांच के दौरान पुलिस ने अपहरण की पूरी टाइमलाइन तैयार करने का प्रयास किया है। इसके लिए पटना जंक्शन, मीठापुर, जीरो माइल, गायघाट, कंगन घाट, दीदारगंज और आसपास के इलाकों में लगे 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई है। जांच एजेंसियां फ्रेम-दर-फ्रेम वीडियो एनालिसिस कर यह पता लगाने में जुटी हैं कि अपराधी किस रास्ते से निकले और उनकी गतिविधियां किन-किन स्थानों पर रिकॉर्ड हुईं। संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की भी पहचान की जा रही है।

❐ आखिरी लोकेशन 170 किमी दूर जमालपुर मिला

मोबाइल लोकेशन के आधार पर जमालपुर तक पहुंची टीमः पुलिस की साइबर और तकनीकी टीम लगातार कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) और मोबाइल टावर लोकेशन का विश्लेषण कर रही है। जांच के दौरान कुछ संदिग्ध मोबाइल नंबर सामने आए हैं, जिसके आधार पर पटना पुलिस टीम 170 किलोमीटर दूर मुंगेर जिले के जमालपुर पहुंची। पुलिस सूत्रों का कहना है कि अपहर्ताओं द्वारा इस्तेमाल किए गए मोबाइल की आखिरी लोकेशन जमालपुर इलाके में मिली थी। इसके बाद स्थानीय पुलिस के सहयोग से कई स्थानों पर छापेमारी की गई, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। आशंका है कि अपराधियों ने पुलिस को गुमराह करने के लिए मोबाइल बंद कर दिया या उसे कहीं फेंक दिया।

दो दर्जन से अधिक इलाकों में लगातार छापेमारीः STF और स्पेशल इंटेलिजेंस यूनिट की टीमों ने पटना, दीदारगंज, मोकामा, फतुहा, बख्तियारपुर, लखीसराय और जमालपुर समेत दो दर्जन से अधिक संभावित ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई की है। पुलिस अपराधियों के पुराने नेटवर्क, जेल से जुड़े संपर्कों और सक्रिय गैंगों की भी जांच कर रही है। इसके अलावा कई संदिग्ध अपराधियों और उनके करीबी लोगों से पूछताछ की गई है। पुलिस का मानना है कि अपहरण की इस वारदात में पेशेवर अपराधियों का हाथ हो सकता है, जिन्होंने पूरी योजना के साथ घटना को अंजाम दिया। इस मामले में पटना पुलिस आधुनिक तकनीक का भी भरपूर इस्तेमाल कर रही है। साइबर एक्सपर्ट मोबाइल लोकेशन और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के जरिए अपराधियों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। तकनीकी जांच के साथ-साथ मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया है।

जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना एनडीए की सर्वोच्च प्राथमिकता- उमेश सिंह कुशवाहा

एजेंसी, पटना

बिहार जद (यू0) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि सूबे की महान जनता ने जिस अटूट भरोसे और विश्वास के साथ नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए को 202 सीटों का ऐतिहासिक जनादेश दिया है, उस विश्वास पर खरा उतरने के लिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में एनडीए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बीते 20 वर्षों में नीतीश कुमार ने विकास की रोशनी घर-घर तक पहुँचाई, बिहार को जंगलराज से निकालकर सुशासन की स्थापना की तथा समाज के उन वर्गों को भी विकास की मुख्यधारा से जोड़ा, जो लंबे समय तक वंचित और उपेक्षित रहे। अपने सुशासन एवं विकास मॉडल के माध्यम से उन्होंने देश-दुनिया में बिहार की एक नई पहचान स्थापित की। उन्होंने कहा कि एनडीए का प्रत्येक कार्यकर्ता दो दशकों की इन ऐतिहासिक उपलब्धियों तथा सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए समर्पित भाव से कार्यरत है। श्री कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में वर्तमान एनडीए सरकार, नीतीश कुमार के सुशासन एवं विकास के एजेंडे को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाते हुए जनसेवा और विकास कार्यों को नई गति प्रदान कर रही है। जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाना, विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना तथा सुशासन की परंपरा को और अधिक सुदृढ़ करना डबल इंजन की एनडीए सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

♦ नीतीश कुमार के सुशासन एवं विकास के एजेंडे को आगे बढ़ा रही है एनडीए सरकार- उमेश सिंह कुशवाहा

उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की महत्वाकांक्षी 'सात निश्चय-3' के अंतर्गत 'सबका सम्मान- जीवन आसान' के संकल्प को साकार करने के लिए पंचायत स्तर पर 'सहयोग शिविर' की शुरुआत एक ऐतिहासिक एवं जनहितकारी पहल है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में इस पहल का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिसका सबसे सीधा लाभ समाज के गरीब, वंचित और बेसहारा लोगों को मिल रहा है। कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार को देश के शीर्ष पाँच विकसित राज्यों में शामिल करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, उसे साकार करने की दिशा में डबल इंजन की एनडीए सरकार पूरी प्रतिबद्धता और तेजी के साथ कार्य कर रही है।

वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों को मिला कानून का संबल, अधिकारों के प्रति किया गया जागरूक

एजेंसी, कटिहार

जिला विधिक सेवा प्राधिकार कटिहार के तत्वावधान में शनिवार को अनाथालय रोड स्थित गुंजन वृद्धाश्रम में एक विधिक (कानूनी) जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस शिविर में वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों को उनके कानूनी अधिकारों, भरण-पोषण अधिनियम और उनके कल्याण के लिए चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर वृद्धाश्रम के कर्मियों की उपस्थिति में बुजुर्गों के बीच बिस्किट के पैकेट का भी वितरण कियागया। कार्यक्रम के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार की प्रतिनियुक्त विद्वान पैनल अधिवक्ता प्रियंका कुमारी ने बुजुर्गों को उनके संरक्षण, विकास, भरण-पोषण एवं पुनर्वास से जुड़े महत्वपूर्ण अधिनियमों (एक्ट) की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बुजुर्गों को उनके हितों के प्रति जागरूक करते हुए स्थायी लोक अदालत की कार्यप्रणाली और उससे मिलने वाले लाभों के बारे में भी बताया।

कार्यक्रम में अहम भूमिका निभा रहे पारा विधिक स्वयंसेवक पवन कुमार ने बुजुर्गों के अधिकारों और हितों की रक्षा पर बल दिया। उन्होंने बिहार पीड़ित प्रतिकर योजना, जिला विधिक सेवा प्राधिकार कटिहार से मिलने वाली मुफ्त कानूनी सलाह और मुफ्त वकील मुहैया कराए जाने की सुविधा के बारे में बताया। साथ ही, आगामी 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली 'राष्ट्रीय लोक अदालत' के बारे में जानकारी देते हुए इससे आम जनमानस को होने वाले फायदों से अवगत कराया।

इस जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार कटिहार के सचिव-सह-अवर न्यायाधीश कमलेश कुमार सिंह देऊ के आदेश पर किया गया।

भोपाल एटीएम फर्जीवाड़े की जांच मुजफ्फरपुर पहुंची, लॉक तोड़ने का प्रशिक्षण देने वाला गिरफ्तार

एजेंसी, मुजफ्फरपुर

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एसबीआई की एटीएम से छेड़छाड़ कर लाखों रुपए की निकासी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का मुजफ्फरपुर कनेक्शन सामने आया है। इस गैंग के मुख्य ट्रेनर अभिषेक कुमार सिंह को भोपाल के शाहपुरा थाने की पुलिस ने शुक्रवार को मुजफ्फरपुर के सदर इलाके से गिरफ्तार किया है। अभिषेक पर आरोप है कि वह बेरोजगार युवकों को मास्टर चाबी और विशेष उपकरणों के जरिए एटीएम से कैश निकालने की ट्रेनिंग देता था। स्थानीय अदालत से 48 घंटे की ट्रांजिट रिमांड मिलने के बाद भोपाल पुलिस उसे अपने साथ ले गई है, जहां उससे पूरे नेटवर्क को लेकर गहन पूछताछ की जाएगी।

भोपाल पुलिस ने शुक्रवार को भगवानपुर स्थित स्वामी सहजानंद कॉलोनी के मनोरथ नगर में छापेमारी कर अभिषेक को दबोचा। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान वह लगातार जांच एजेंसियों को गुमराह करने की कोशिश करता रहा। कभी उसने खुद को होटल व्यवसायी बताया, तो कभी अपना पता बदलकर झूठ बोला। हालांकि, कड़ाई से पूछताछ में उसने छपरा बाइपास पर एक होटल चलाने की बात स्वीकार की। इस मामले का सुराग भोपाल में पहले से गिरफ्तार छपरा निवासी आसिफ आलम उर्फ जानू के बयान से मिला था। आसिफ ने बताया था कि पटना निवासी अभिषेक ने ही उन्हें मशीन खोलने की तकनीक सिखाई थी। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले में लगभग 20 लाख रुपए की अवैध निकासी की जांच की जा रही है। उससे पूछताछ में गिरोह के अन्य सदस्यों और एटीएम से जुड़े पूरे मॉड्यूल का खुलासा हो सकता है।

इंजीनियरिंग छात्र से लेकर मजदूर तक गिरोह मेंः पुलिस की जांच में सामने आया है कि इस गैंग का कथित सरगना गयाजी जिले का रहने वाला विपुल कुमार

उर्फ सोनू है। विपुल ने भोपाल के ही एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज से पढ़ाई की है। करीब 10 दिन पहले विपुल ने बिहार से प्रिंस गुप्ता, मो. सागिर, आसिफ आलम, साहिल अली और साकेत खेतान को भोपाल बुलाया था। इन सभी ने मिलकर शाहपुरा, कोलार और अशोका गार्डन सहित 13 एसबीआई एटीएम को निशाना बनाया। गिरोह में इंजीनियरिंग छात्र, होटल संचालक और मजदूर तक शामिल थे, जिससे इन पर कोई आसानी से शक नहीं करता था। पुलिस

♦ दो दिनों की हुई थी ट्रेनिंग

कई एटीएम के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। गिरोह के सदस्य बिना मशीन को पूरी तरह तोड़े मास्टर चाबी और प्लास्टिक टेप की मदद से वारदात को अंजाम देते थे। गैंग के सदस्य अलग-अलग एटीएम में जाकर मशीन के लॉक सिस्टम को मास्टर चाबी से खोलते और उसके अंदर टेप या विशेष प्लास्टिक पट्टी लगा देते थे, ताकि कैश बाहर न आ सके। यह गैंग खासतौर पर 10 हजार रुपए निकालने वाले ग्राहकों को निशाना बनाता था, क्योंकि इतनी निकासी पर आमतौर पर बैंक से ओटीपी नहीं मांगा जाता।

भगवानपुर में चलती थी 2 दिन की ट्रेनिंगः भोपाल एटीएम फ्रॉड में गिरफ्तार मो. सागिर ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उसने बताया कि कम समय में ज्यादा पैसे कमाने का लालच देकर अभिषेक युवकों को फंसाता था। छपरा बाइपास के एक होटल में पहली मुलाकात के बाद, अभिषेक ने युवकों को भगवानपुर चौक स्थित अपने किराए के मकान पर बुलाया। इसी कमरे में दो दिनों तक एटीएम फ्रॉड की 'ट्रेनिंग क्लास' चली। अभिषेक ने न सिर्फ मशीन की बनावट समझाई, बल्कि रोल प्ले के जरिए हर सदस्य की भूमिका भी तय की।

निजी बैंक कर्मी से सीखी थी ट्रिकः शाहपुरा पुलिस के अनुसार, गिरोह ने एटीएम खोलने और उसमें छेड़छाड़ करने की यह पूरी तकनीक बिहार के ही एक निजी बैंक के कर्मचारी से सीखी थी। उसी के माध्यम से मास्टर चाबी भी हासिल की गई थी। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इस पूरे नेटवर्क में और कौन-कौन सफेदपोश शामिल हैं और यह मास्टर चाबी किन माध्यमों से तैयार की गई।

संक्षिप्त समाचार

15 जुलाई को होगा 15 नए डिग्री महाविद्यालयों का शुभारंभ, दो दिनों में सभी सिविल कार्य पूरे करने का निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पूर्वी चंपारण जिले के 15 प्रखंडों में स्थापित किए जा रहे 15 नए डिग्री महाविद्यालयों की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी, डीपीओ (माध्यमिक शिक्षा), भवन, पीएचईडी एवं विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता तथा सभी चिन्हित डिग्री महाविद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने भवन निर्माण विभाग को निर्देश दिया कि सभी महाविद्यालयों में शेष सिविल कार्य हर हाल में अगले दो दिनों के भीतर पूरे किए जाएं। उन्होंने विशेष रूप से चिन्हित कमरों की रंगाई-पुताई, विद्युत व्यवस्था, शौचालय तथा पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही भवन, पीएचईडी एवं विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंताओं को दो दिनों के भीतर कार्य पूर्णता प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि 15 जुलाई 2026 को सभी नए डिग्री महाविद्यालयों का उद्घाटन एवं शुभारंभ समारोह आयोजित किया जाएगा। समीक्षा में अधिकांश स्थानों पर सिविल कार्य पूर्ण पाए गए, जबकि शेष कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने और प्रतिदिन इसकी समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में प्राचार्यों ने जानकारी दी कि नए डिग्री महाविद्यालयों में प्रारंभिक चरण में छह विषय—हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र एवं समाजशास्त्र—की पढ़ाई शुरू होगी। राज्य सरकार के 'सात निश्चय' कार्यक्रम के चौथे निश्चय "उन्नत शिक्षा–उज्ज्वल भविष्य" के अंतर्गत विभागीय संकल्प संख्या 633, दिनांक 30 अप्रैल 2026 के आलोक में पूर्वी चंपारण जिले के 15 प्रखंडों में नए डिग्री महाविद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन इन संस्थानों में समय पर पठन-पाठन शुरू कराने के लिए लगातार तैयारियों की निगरानी कर रहा है।जिन प्रखंडों में नए राजकीय डिग्री महाविद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं, उनमें संग्रामपुर, मेहसी, बंजरिया, पिपराकोठी, सुगौली, तुरकौलिया, तेतरिया, पताही, फेनहारा, रामगढ़वा, आदापुर, छौड़ादानो, बनकटवा, पकड़ीदयाल तथा चिरैया शामिल हैं।

अनुकंपा के आधार पर दिवंगत शिक्षक की पत्नी बनीं लिपिक, मध्य विद्यालय मुरला में संभाला कार्यभार

बीएनएम@ रामगढ़वा। प्रखंड के मुरला स्थित मध्य विद्यालय में दिवंगत शिक्षक रेयाज आलम की पत्नी इशरत फातिमा ने अनुकंपा के आधार पर लिपिक पद का कार्यभार ग्रहण किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रकाश कुमार ने उन्हें औपचारिक रूप से पदभार सौंपा। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में भावुक और गरिमामय माहौल रहा। कार्यक्रम में जिला पार्षद प्रतिनिधि कमरुद्दीन मंसूरी, मुखिया बबलू साह, पूर्व बीआरपी अताउर रहमान एवं उप प्रमुख अरविंद पांडे सहित कई जनप्रतिनिधि और शिक्षाविद मौजूद रहे। सभी ने इशरत फातिमा को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनकी नियुक्ति से विद्यालय के प्रशासनिक कार्यों को नई गति मिलेगी। इस मौके पर ज्योतनारायण महतो, मुहम्मद आरिफ, शिक्षक सद्दाम आलम, राजकुमार, श्याम कुमार, राकेश कुमार, अरविंद कुमार सहित विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं कर्मियों ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और शिक्षकों ने बिहार सरकार की अनुकंपा नियुक्ति नीति की सराहना करते हुए कहा कि यह व्यवस्था दिवंगत कर्मचारियों के आश्रित परिवारों के लिए बड़ी राहत और संबल है। उन्होंने कहा कि इस नीति के माध्यम से संकटग्रस्त परिवारों को सम्मानजनक आजीविका का अवसर मिलता है। गौरतलब है कि मध्य विद्यालय मुरला में कार्यरत शिक्षक रेयाज आलम का 26 नवंबर 2025 को रक्सौल में एक सड़क दुर्घटना में निधन हो गया था। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को याद किया और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

कोठी रोड पर जमीन में दबाकर रखी गई 97 ग्राम स्मैक बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम@ रामगढ़वा। थाना क्षेत्र में नशा तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कोठी रोड स्थित पोखरे के समीप चापाकल के पास जमीन में छिपाकर रखी गई 97 ग्राम स्मैक बरामद की है। मामले में दो तस्करों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। डीएसपी मनीष आनंद को नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम में अपर थाना प्रभारी सुमित कुमार, एसआई राधेश्याम यादव तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस ने कोठी रोड पर घेराबंदी कर कोठी रोड निवासी सोनू कुमार और रामगढ़वा निवासी अजय महतो को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान दोनों ने स्मैक छिपाने की बात स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर पोखरे के पास चापाकल के समीप जमीन की खुदाई कर प्लास्टिक के पैकेट में रखी करीब 97 ग्राम स्मैक बरामद की गई। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने बताया कि दोनों आरोपितों के विरुद्ध रामगढ़वा थाना कांड संख्या 341/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ में नशा कारोबार से जुड़े अन्य लोगों के नाम भी सामने आए हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र को नशामुक्त बनाने के लिए पुलिस का अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा।

बाइक की टक्कर से पत्रकार समीर बाजपेई की मौत

बीएनएम@ योगापट्टी : योगापट्टी थाना क्षेत्र में शुक्रवार की शाम हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में हिंदी दैनिक अखबार 'प्रभात खबर' के पत्रकार समीर बाजपेई की मौत हो गई। घटना बेतिया नवलपुर मुख्य मार्ग पर लक्ष्मीपुर चौक के पास शाम करीब 7:30 बजे हुई। जानकारी के अनुसार, समीर किसी कार्य से लक्ष्मीपुर चौक की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार में आ रही दो बाइकों में से एक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों और आपातकालीन सेवा 112 की पुलिस टीम की मदद से गंभीर रूप से घायल समीर बाजपेई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रयोगापट्टी ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जीएमसीएच बेतिया रेफर किया गया, जहां चिकित्सको ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

परिवार नियोजन सेवा पखवाड़े का शुभारंभ, डीडीसी ने दिखाई जागरूकता वाहन को हरी झंडी

बीएनएम@ मोतिहारी

जनसंख्या स्थिरता दिवस पर सदर अस्पताल में परिवार नियोजन मेले का उद्घाटन, रैली निकाली गई, अस्थायी गर्भनिरोधक साधनों का वितरण शुरू

जनसंख्या स्थिरता दिवस के अवसर पर पूर्वी चम्पारण में परिवार नियोजन सेवा पखवाड़े (11 से 31 जुलाई) का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार ने परिवार नियोजन जागरूकता प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जबकि सदर अस्पताल में आयोजित परिवार नियोजन मेले का उद्घाटन भी किया गया। वहीं सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार सिंह ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डीडीसी डॉ. प्रदीप कुमार ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या पर नियंत्रण और मातृ-शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए योग्य दंपतियों को परिवार नियोजन के प्रति जागरूक करना बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि सदर अस्पताल में लगाए गए विशेष स्टॉल पर महिला बंध्याकरण, पुरुष नसबंदी तथा परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही कंडोम, माला-एन, छाया, अंतरा इंजेक्शन और अन्य गर्भनिरोधक दवाओं का निःशुल्क वितरण किया जा रहा है।सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार सिंह ने कहा कि स्वस्थ मातृत्व और शिशु के बेहतर विकास के लिए दो बच्चों के बीच कम से कम तीन वर्ष का अंतर आवश्यक है। उन्होंने बताया कि अनचाहे गर्भ को रोकने और 'अनमेट नीड' को कम करने के लिए इम्प्लांट जैसे आधुनिक गर्भनिरोधक साधन प्रभावी और सुरक्षित विकल्प हैं, जो तीन वर्षों तक प्रभावी रहते हैं। उन्होंने बताया कि जिले के सरकारी अस्पतालों में महिला बंध्याकरण और पुरुष नसबंदी की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध है। पुरुष नसबंदी को सरल और सुरक्षित प्रक्रिया बताते हुए उन्होंने समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पुरुष नसबंदी कराने पर लाभार्थी को 3,000 रुपये तथा महिला बंध्याकरण पर 2,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि सीधे खाते में भेजी जाती है। जिला सामुदायिक प्रबंधक (डीसीएम) नंदन झा ने कहा कि सही उम्र में विवाह, पहले बच्चे में उचित अंतराल तथा दो बच्चों के बीच कम से कम तीन वर्ष का अंतर स्वस्थ परिवार की आधारशिला है। उन्होंने बताया कि जिले की आशा कार्यकर्ताओं द्वारा सास-बहू सम्मेलन, बैनर, पोस्टर और माइकिंग के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। जिले के सभी 27 प्रखंडों के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों पर कॉपर-टी, एमपीए इंजेक्शन, बंध्याकरण एवं नसबंदी सहित परिवार नियोजन सेवाओं पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कार्यक्रम में एसीएमओ डॉ. एस.एन. सत्यार्थी, अस्पताल प्रबंधक कौशल दुबे, पीएसआई इंडिया के जिला प्रबंधक अमित कुमार, जिला समन्वयक सी-3 आदित्य राज, जननी सूर्या क्लिनिक के प्रतिनिधि दीपक कुमार, समरेन्द्र ठाकुर सहित स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

बिहार विधान परिषद की अल्पसंख्यक कल्याण समिति के अध्यक्ष बने एमएलसी डॉ. खालिद अनवर, क्षेत्र में खुशी

बीएनएम@ मोतिहारी

बिहार विधान परिषद के सदस्य (एमएलसी) डॉ. खालिद अनवर को बिहार विधान परिषद की अल्पसंख्यक कल्याण समिति का अध्यक्ष बनाए जाने पर क्षेत्र में खुशी की लहर है। उनके समर्थकों, जदयू कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सम्मान बताया। सूचना मिलते ही विभिन्न स्थानों पर समर्थकों ने एक-दूसरे को बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। डॉ. खालिद अनवर के अनुमंडल प्रतिनिधि (पकड़ीदयाल) एवं जनता दल (यूनाइटेड) के जिला सचिव लालबाबू सिंह ने कहा कि डॉ. खालिद अनवर ने हमेशा समाज के सभी वर्गों, विशेषकर अल्पसंख्यक समुदाय की समस्याओं और अधिकारों को मजबूती से उठाया है। उनकी साफ-सुथरी छवि, जनसरोकारों के प्रति संवेदनशीलता और लंबे राजनीतिक अनुभव को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि यह दायित्व केवल डॉ. खालिद अनवर का सम्मान नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए भी गौरव की बात है। उनके नेतृत्व में समिति अल्पसंख्यक समुदाय की शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और कल्याण से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी ढंग से कार्य करेगी तथा सरकार और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का प्रयास करेगी। लालबाबू सिंह ने मुख्यमंत्री और जदयू के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एक योग्य और कर्मठ जनप्रतिनिधि को यह जिम्मेदारी देकर सराहनीय निर्णय लिया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि डॉ. खालिद अनवर अपने अनुभव, कार्यकुशलता और जनसेवा की भावना के बल पर इस दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे।

कोटवा के विद्यालय में 'पर्यावरण की पाठशाला' आयोजित, पौधारोपण कर संरक्षण का लिया संकल्प

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी वन प्रमंडल के सहयोग से कोटवा प्रखंड की बथना पंचायत स्थित नवसृजित प्राथमिक विद्यालय, सिरसियां वृति टोला में शनिवार को "पर्यावरण की पाठशाला" सह पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता और भूजल संरक्षण के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई तथा विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता विनय कुमार ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, अंधाधुंध वृक्षों की कटाई और अनियोजित विकास के कारण अनेक वनस्पतियां, पक्षी और जीव-जंतु विलुप्ति के कगार पर पहुंच गए हैं, जिससे जैव विविधता लगातार प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल एक दिवस का अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अवधेश रंजन ने भूजल स्तर में लगातार हो रही गिरावट पर चिंता व्यक्त करते हुए वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण, स्थानीय प्रजातियों के वृक्षारोपण तथा जलस्रोतों के संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। वहीं राज गुरु ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे प्रत्येक वर्ष अपने जन्मदिन पर कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करें और अपने परिवार व समाज को भी पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम के अंत में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं अतिथियों ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर जैव विविधता संरक्षण, जल बचाने और स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर कामता प्रसाद यादव, धीरेंद्र कुमार यादव, राजीव कुमार सिंह, मो. कमालुदीन, मनीषा कुमारी, सलोनी कुमारी सहित बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे।

पताही सीएचसी में सिविल सर्जन का औचक निरीक्षण, कई चिकित्सक व कर्मी अनुपस्थित मिले

बीएनएम@ पताही

जिले के सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार ने शनिवार को पताही सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) का औचक निरीक्षण किया। उनके अचानक पहुंचने से अस्पताल में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं, ओपीडी व्यवस्था, दवा वितरण, साफ-सफाई और कर्मचारियों की उपस्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण में कई चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मी ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए सिविल सर्जन ने अनुपस्थित कर्मियों का अटेंडेंस काटने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शंकर बैठा को अस्पताल में अनुशासन बनाए रखने, चिकित्सकों व कर्मियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सिविल सर्जन ने हाल ही में पताही प्रखंड की जिहुली पंचायत में गीदड़ के काटने से कई लोगों के घायल होने की घटना का जिक्र करते हुए अस्पताल में एंटी रैबीज़ वैक्सीन (एआरवी) की पर्याप्त उपलब्धता हर समय बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसी आपात स्थितियों से निपटने के लिए जीवनरक्षक दवाओं और आवश्यक वैक्सीन का स्टॉक कभी समाप्त नहीं होना चाहिए। डॉ. दिलीप कुमार ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में लापरवाही, समय पर ड्यूटी नहीं करना और मरीजों की सेवा में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में भी औचक निरीक्षण जारी रहेगा और लापरवाही मिलने पर संबंधित कर्मियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी। सिविल सर्जन के निरीक्षण के बाद अस्पताल परिसर में पूरे दिन हलचल का माहौल रहा। स्वास्थ्य कर्मियों के बीच अनुशासन, जवाबदेही और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार को लेकर चर्चा होती रही।

हत्या के प्रयास के मामले में चार नामजद आरोपित गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी

हरसिद्धि पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए चार नामजद आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सभी गिरफ्तार अभियुक्त हरसिद्धि थाना क्षेत्र के चैनपुर गांव के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, हरसिद्धि थाना कांड संख्या 348/26 में दर्ज मामले के अभियुक्त राजू पासवान (35), पिता भूटी पासवान, लखन पासवान (45) एवं मखन पासवान (42), दोनों स्वर्गीय चंद्रिका पासवान के पुत्र, तथा मालती देवी (53), पति फुलेना पासवान को गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि हत्या के प्रयास के मामले में नामजद सभी चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सभी से पूछताछ की जा रही है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा। छापेमारी टीम में एसआई बनफल अक्षय, एसआई नेहा वर्षा तथा पुलिस बल के अन्य जवान शामिल रहे।

एसएनएस विद्यापीठ लॉ कॉलेज में 'आरम्भ-2026' फ्रेशर्स पार्टी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से झूमे छात्र

बीएनएम@ मोतिहारी

एसएनएस विद्यापीठ लॉ कॉलेज में एलएलबी (सत्र 2025-28) एवं बीए एलएलबी (सत्र 2025-30) के नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के स्वागत के लिए 'आरम्भ-2026' फ्रेशर्स पार्टी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम उत्साह, उमंग और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सराबोर रहा, जिसमें महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन बीए एलएलबी द्वितीय वर्ष के छात्र श्याम पाण्डेय एवं एलएलबी द्वितीय वर्ष की छात्रा सुप्रिया कुमारी ने छात्र-समन्वयक के रूप में किया। दोनों ने अपनी टीम के साथ आयोजन की सभी व्यवस्थाओं का कुशलतापूर्वक संचालन किया। समारोह में एसएनएस विद्यापीठ के चेयरमैन आलोक शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि विधि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि न्याय, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व का मार्ग है। उन्होंने विद्यार्थियों से परिश्रम, ईमानदारी और संवैधानिक मूल्यों के प्रति समर्पित रहने का आह्वान करते हुए उन्हें आदर्श विद्यार्थी, जिम्मेदार नागरिक, सफल अधिवक्ता और निष्पक्ष न्यायाधीश बनने की प्रेरणा दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम में एलएलबी एवं बीए एलएलबी के विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन, वक्तृत्व, हास्य-व्यंग्य और कॉमेडी सहित विभिन्न प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। हर प्रस्तुति पर सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। वरिष्ठ विद्यार्थियों ने नवप्रवेशी छात्रों का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें महाविद्यालय की शैक्षणिक परंपराओं एवं अनुशासन से परिचित कराया। कार्यक्रम का उद्देश्य नए विद्यार्थियों के बीच आत्मीयता, सहयोग और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण का निर्माण करना था। समारोह के सफल आयोजन में महाविद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं का सराहनीय योगदान रहा। उत्साह, अनुशासन और उत्कृष्ट सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजा 'आरम्भ-2026' नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए यादगार शुरुआत साबित हुआ।

संक्षिप्त समाचार

भागलपुर के शाहकुंड में अवैध मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़,5 गिरफ्तार

हथियारों का जखीरा जब्तः मिले अर्धनिर्मित हथियार और उपकरण

बीएनएम@ भागलपुरः भागलपुर पुलिस, बिहार एसटीएफ और पश्चिम बंगाल एसटीएफ की संयुक्त टीम ने एक गुप्त सूचना के आधार पर शाहकुंड थाना क्षेत्र के हरनथ गांव में छापेमारी की। सिटी एसपी अतुलेश झा ने शनिवार को प्रेस वार्ता में बताया कि पुलिस को सटीक इनपुट मिला था कि गांव के मोहम्मद रिजवान नामक व्यक्ति के घर में अवैध रूप से हथियारों का निर्माण और उनकी सप्लाई की जा रही है। सूचना की पुष्टि होते ही तीनों टीमों ने मिलकर एक साथ धावा बोला और चल रही मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर दिया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में तैयार और अर्धनिर्मित हथियारों का जखीरा बरामद किया है। इसके साथ ही फैक्ट्री के अंदर से हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाली मशीनें, कटर, ड्रिल और अन्य जरूरी औजार व उपकरण भी जब्त किए गए हैं। हालांकि, पुलिस टीम के पहुंचने की भनक लगते ही इस पूरे रैकेट का मुख्य मास्टरमाइंड और मकान मालिक मोहम्मद रिजवान मौके से चकमा देकर फरार हो गया, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। सघन घेराबंदी कर पुलिस ने मौके से पांच आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। पकड़े गए अपराधियों में मोहम्मद कासिम, मोहम्मद समीम, मोहम्मद मिराज, मोहम्मद मैसर और जब्बार मंसूरी शामिल हैं। पुलिस की शुरुआती जांच में इस धंधे का एक बड़ा 'मुंगेर कनेक्शन' सामने आया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से चार आरोपी मूल रूप से मुंगेर जिले के रहने वाले हैं, जो हथियार बनाने की तकनीक में माहिर हैं, जबकि पांचवा आरोपी जब्बार मंसूरी स्थानीय शाहकुंड का ही निवासी है।

पर्यावरण मंत्री ने 24 नवनियुक्त वन क्षेत्र पदाधिकारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

बीएनएम@ पटना। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने शुक्रवार (10 जुलाई) को अरण्य भवन के सभागार में 24 नवनियुक्त वन क्षेत्र पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। कार्यक्रम में विभागीय मंत्री डॉ. रामचंद्र प्रसाद ने नव नियुक्त अधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए राज्य की प्राकृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरणीय चुनौतियों के बढ़ते संकट के बीच वन क्षेत्र पदाधिकारियों की जिम्मेदारी और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। मंत्री ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए अधिकारियों को बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री आनंद किशोर ने नव नियुक्त अधिकारियों को संबोधित करते हुए विभाग के कार्यों और दायित्वों को पांच खंडों में विभक्त कर वन क्षेत्र पदाधिकारियों की भूमिका को विस्तार से स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्यों के बढ़ते आयामों को देखते हुए अधिकारियों को स्वयं को तदनुरूप तैयार करना होगा। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त किया कि नव नियुक्त अधिकारी नवीन तकनीकों, वैज्ञानिक प्रबंधन, ईको-पर्यटन और जनसहभागिता के माध्यम से राज्य के वन संसाधनों के संरक्षण एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

बांकीपुर उपचुनावः बीजेपी के उम्मीदवार बदलने पर राजद का हमला

सोशल मीडिया पोस्ट में लगाए कई आरोप

बीएनएम@ पटना। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में बीजेपी द्वारा उम्मीदवार बदलने के फैसले के बाद बिहार की सियासत गरमा गई है। नामांकन प्रक्रिया के बीच प्रत्याशी बदले जाने को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है। इसी क्रम में राजद ने शनिवार को सोशल मीडिया के माध्यम से बीजेपी और उसके नेतृत्व पर तीखा हमला बोला। राजद ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर जारी पोस्ट में दावा किया कि बांकीपुर में उम्मीदवार बदलने की घटना BJP की अंदरूनी स्थिति और संगठनात्मक कमजोरी को उजागर करती है। पोस्ट में पार्टी ने BJP के राष्ट्रीय और राज्य नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रत्याशी बदलने का फैसला राजनीतिक अस्थिरता और नेतृत्व की कमजोरी को दर्शाता है। RJD ने BJP द्वारा उम्मीदवार परिवर्तन के लिए दिए गए कारणों पर भी सवाल उठाए। पार्टी का कहना है कि यदि भ्रष्टाचार या पुराने मामलों को आधार बनाया जा रहा है तो ऐसे मानदंड NDA के अन्य नेताओं पर भी समान रूप से लागू होने चाहिए। इसके अलावा RJD ने यह भी दावा किया कि उम्मीदवार चयन को लेकर NDA के कुछ सहयोगी दलों और BJP के कुछ वरिष्ठ नेताओं के बीच असंतोष की चर्चा है। पार्टी ने आरोप लगाया कि दिल्ली का नेतृत्व जानबूझकर कमजोर उम्मीदवार उतारना चाहता था। हालांकि RJD ने अपने इन दावों के समर्थन में कोई सार्वजनिक साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया।

22 को बेतिया में पीएम का होगा पुतला दहन : सीपीआई(एम)

बीएनएम@ बेतियाः भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की बैरिया लोकल कमिटी की बैठक सरपंच सुनील यादव के आवास पर शनिवार को मदन प्रसाद की अध्यक्षता में हुई। बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी के बिहार राज्य सचिव मंडल सदस्य प्रभुराज नारायण राव ने राज्य सरकार पर ग्रामीण घरों पर प्रस्तावित 1200 रुपये वार्षिक टैक्स और राज्य स्तरीय सड़कों पर टोल टैक्स लगाने की योजना को जनविरोधी बताते हुए कड़ा विरोध जताया। पार्टी ने घोषणा की कि 22 जुलाई को बेतिया जिला मुख्यालय में प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया जाएगा तथा 10 अगस्त को समाहरणालय घेराव और जेल भरो आंदोलन आयोजित होगा। राव ने धान रोपनी के समय खाद की कमी और यूरिया की कथित कालाबाजारी का भी मुद्दा उठाते हुए प्रशासन पर मिलीभगत का आरोप लगाया तथा पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने की मांग की। बैठक में सुनील यादव ने संगठनात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिस पर कई कार्यकर्ताओं ने अपने विचार रखे।

परीक्षा केंद्र दूर होने पर छात्रों का विरोध

रामाधीन कॉलेज में केंद्र बनाने की मांग

बीएनएम@ शेखपुराः अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद शेखपुरा इकाई ने आज रामाधीन महाविद्यालय के प्राचार्य को एक ज्ञापन सौंपा। यह विरोध मुंगेर विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक सत्र 2023-27 और 2024-28 की आगामी प्रैक्टिकल परीक्षाओं के लिए केंद्र सिकंदरा स्थित 'धनराज सिंह महाविद्यालय' बनाए जाने के खिलाफ है। छात्र नेताओं का कहना है कि यह केंद्र रामाधीन कॉलेज से लगभग 35 किलोमीटर दूर है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों को भारी आर्थिक और शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।छात्रों ने तर्क दिया कि वर्षों से स्थानीय कॉलेज ही परीक्षा केंद्र रहे हैं। इस केंद्र परिवर्तन से विशेषकर दूरदराज के छात्रों की कठिनाइयां बढ़ गई हैं। ज्ञापन के जरिए मांग की गई है कि छात्र हित को देखते हुए परीक्षा केंद्र को पुनः रामाधीन महाविद्यालय में ही स्थानांतरित किया जाए। साथ ही, छात्र नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांग पूरी नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। ज्ञापन सौंपने वालों में बबन राय, अंशु राज, ओंकार कुमार, आशीष कुमार व अन्य छात्र शामिल थे।

पटना के पुनपुन में एक घर से निकले 40 से अधिक जहरीले कोबरा

रेस्क्यू ऑपरेशन देख दंग रह गए ग्रामीण

बीएनएम@ पटना

जिले के पुनपुन प्रखंड के समकुड़ा गांव में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक कच्चे घर की मिट्टी की दीवारों के भीतर से 40 से अधिक जहरीले कोबरा सांप निकलने से पूरे गांव में दहशत फैल गई। हालांकि समय रहते विशेषज्ञ सपेरे की मदद से सभी सांपों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।जानकारी के अनुसार, यह घर शंभू प्रसाद का है। उनके बेटे बंटी कुमार ने तीन दिन पहले रात में घर के भीतर एक सांप देखा था। इसके बाद लगातार कई सांप दिखाई देने लगे। शुरुआत में ग्रामीणों ने डर के कारण कुछ सांपों को मार दिया, लेकिन बार-बार सांप निकलने से आशंका हुई कि घर के भीतर ही उनका बड़ा बसेरा है। परिवार ने इसके बाद एक सपेरे को बुलाया। जांच के दौरान सपेरे ने मिट्टी की दीवारों के अंदर कोबरा सांपों का बड़ा ठिकाना खोज निकाला। उसने सावधानीपूर्वक रेस्क्यू अभियान चलाते हुए एक-एक कर छोटे-बड़े कोबरा और उनके बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। कुल 40 से अधिक जहरीले कोबरा सांपों को प्लास्टिक के डिब्बों में सुरक्षित रखा गया। रेस्क्यू की खबर फैलते ही आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। इतने अधिक जहरीले सांपों को एक ही घर से निकलते देख ग्रामीण हैरान रह गए। लोग इस बात पर भी आश्चर्य जता रहे थे कि इतने दिनों तक सांपों के बीच रहने के बावजूद परिवार का कोई सदस्य उनकी चपेट में नहीं आया।

बगहा अनुमंडलीय अस्पताल बना जंग का मैदान, गुस्साए परिजनों का लगाया लापरवाही का आरोप

बगहा अस्पताल में नवजात की मौत पर बवाल, अस्पताल में तोड़फोड़ और हंगामा

बीएनएम@ बगहा

- अस्पताल प्रशासन ने आरोपों को सिरे से खारिज किया
- बगहा नगर थाना पुलिस ने हालात पर काबू पाया

बगहा अनुमंडलीय अस्पताल में प्रसव के दौरान नवजात की मौत के बाद ऐसा बवाल मचा कि अस्पताल कुछ देर के लिए जंग का मैदान बन गया। गम में डूबे परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा, नारेबाजी और तोड़फोड़ की। परिजनों ने डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ पर कथित लापरवाही का संगीन इल्जाम लगाया, जबकि अस्पताल प्रशासन ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। घटना के बाद अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और स्वास्थ्य सेवाएं भी कुछ समय के लिए प्रभावित रहीं।जानकारी के मुताबिक, चौतरवा थाना क्षेत्र निवासी रितेश राम अपनी गर्भवती पत्नी को प्रसव के लिए बगहा अनुमंडलीय अस्पताल लेकर पहुंचे थे। प्रसव के दौरान नवजात मृत अवस्था में पैदा हुआ। बच्चे की मौत की खबर मिलते ही परिजनों का सब्र टूट गया। आक्रोशित लोगों ने अस्पताल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी और प्रसव कक्ष के बाहर तोड़फोड़ करते हुए जमकर हंगामा किया। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की कथित लापरवाही की वजह से नवजात की जान चली गई। उनका कहना है कि समय रहते उचित इलाज और देखभाल की जाती तो शायद मासूम की जान बच सकती थी। दूसरी ओर अस्पताल के चिकित्सकों ने इन सभी आरोपों से साफ इनकार किया है। उनका दावा है कि बच्चा पहले से ही मृत अवस्था में पैदा हुआ था और इलाज में किसी तरह की कोई कोताही नहीं बरती गई। घटना की सूचना मिलते ही बगहा नगर थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और हालात पर काबू पाया। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि नवजात की मौत किन परिस्थितियों में हुई। फिलहाल यह मामला आरोप और सफाई के बीच उलझा हुआ है, जबकि परिजन इंसाफ की मांग पर अड़े हैं। अब सभी की निगाह जांच रिपोर्ट पर टिकी है, जिससे इस पूरे विवाद की सच्चाई सामने आ सके।

टीपी वर्मा कॉलेज विवादः महिला कर्मियों को न्याय दिलाने की मांग

- महिला कर्मियों का वेतन रोकने के आरोप पर भाकपा का प्रदर्शन का ऐलान

बीएनएम@ बेतिया

पश्चिम चंपारण के नरकटियागंज स्थित टीपी वर्मा कॉलेज में महिला कर्मियों के वेतन और कथित दुर्व्यवहार के मामले ने तूल पकड़ लिया है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के जिला सचिव ओम प्रकाश क्रांति के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला पदाधिकारी (डीएम) से मिलकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने और पीड़ित महिला कर्मियों को न्याय दिलाने की मांग की। भाकपा का आरोप है कि कॉलेज की तीन महिला कर्मियों का वेतन वर्षों से रोका गया है, जबकि समान आदेश के आधार पर नियुक्त अन्य कर्मचारियों को नियमित वेतन मिल रहा है। पार्टी ने इसे प्रशासनिक भेदभाव बताते हुए प्रधान लिपिक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि महिला हेल्पलाइन द्वारा जांच किए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे महिलाओं में असंतोष बढ़ रहा है। भाकपा ने यह भी आरोप लगाया कि कॉलेज में संचालित बीबीए और बीसीए पाठ्यक्रमों को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। जिला पदाधिकारी ने मामले की जिला स्तरीय जांच कराने तथा महिला हेल्पलाइन की रिपोर्ट मंगाकर परीक्षण कराने का आश्वासन दिया है। ओम प्रकाश क्रांति ने चेतावनी दी कि यदि पीड़ित महिलाओं को न्याय नहीं मिला तो नरकटियागंज में जनआंदोलन शुरू किया जाएगा।

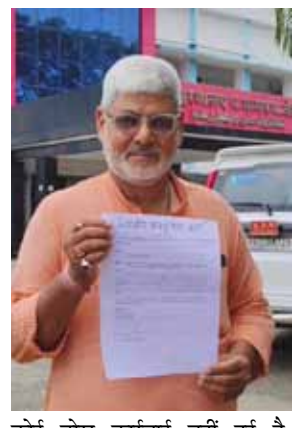

परेशानीः बांसी से मधुबनी प्रखंड मुख्यालय जाने वाली सड़क पर जलजमाव

- राहगीरों व दुकानदारों में भारी आक्रोश

बीएनएम@ बगहा

बगहा अनुमंडल अंतर्गत मधुबनी प्रखंड में बिहार-उत्तर प्रदेश की सीमा स्थित बांसी सीमा से मधुबनी प्रखंड मुख्यालय जाने वाली मुख्य सड़क पर लंबे समय से जलजमाव की गंभीर समस्या बनी हुई है। सड़क पर पानी जमा रहने के कारण राहगीरों, वाहन चालकों तथा स्थानीय दुकानदारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीण व दुकानदार अनूप कुशवाहा, नागेन्द्र शर्मा, मनोहर कुशवाहा, चंद्रिका चौधरी, ललन गुप्ता, विजय गुप्ता, राजन कुमार, सरपंच प्रतिनिधि वासदेव चौधरी ने बताया कि सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है और कीचड़युक्त पानी से ढकी रहने के कारण आए दिन बाइक सवार फिसलकर घायल हो रहे हैं। इससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इसी मार्ग से प्रतिदिन अंचलाधिकारी (सीओ) एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) के वाहन भी गुजरते हैं, बावजूद इसके जल निकासी की कोई स्थायी व्यवस्था नहीं की जा रही है। लोगों का आरोप है कि कई बार संबंधित अधिकारियों का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लगातार बनी इस समस्या को लेकर स्थानीय लोगों और दुकानदारों में भारी आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने प्रशासन से अविलंब जल निकासी की व्यवस्था कराने तथा क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि लोगों को आवागमन में हो रही परेशानियों से राहत मिल सके और दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। बीडीओ कुंदन कुमार ने बताया कि रोड टूट जाने के कारण रोड में गड्ढा हो गया है। जिसके कारण जलजमाव हुआ है। जल निकासी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी।

आरपीसीएयू के कुलपति डॉ. पीएस पांडेय ने खुद की धान की रोपनी

- छात्रों को दिया व्यावहारिक कृषि शिक्षा का संदेश
- ''धान रोपाई मिलन कार्यक्रम'' का हुआ आयोजन

बीएनएम@ समस्तीपुर

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के प्रायोगिक कृषि फार्म में शनिवार को आयोजित "धान रोपाई मिलन कार्यक्रम" के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पी. एस. पांडेय स्वयं खेत में उतरकर वैज्ञानिकों एवं छात्र-छात्राओं के साथ धान की रोपनी की। कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि छात्रों को प्रयोगशाला की पढ़ाई के साथ-साथ खेत की वास्तविक परिस्थितियों से जोड़ते हुए व्यावहारिक कृषि शिक्षा प्रदान करना था। इस अवसर पर कुलपति के साथ पीजीसीए के डीन डॉ. मयंक राय, धान वैज्ञानिकों की टीम तथा बड़ी संख्या में स्नातकोत्तर छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने वैज्ञानिक विधि से धान की रोपाई में भाग लिया और आधुनिक कृषि तकनीकों का व्यवहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। कुलपति ने कहा कि कृषि शिक्षा केवल पुस्तकों और प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जब तक वैज्ञानिक और विद्यार्थी स्वयं खेत में उतरकर कार्य नहीं करेंगे, तब तक 'लैब टू लैंड' की अवधारणा पूरी तरह सफल नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि छात्रों के साथ मिलकर धान की रोपनी करने का उद्देश्य उन्हें मिट्टी, पानी, पौधों की वृद्धि और खेती की वास्तविक चुनौतियों से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना है। पीजीसीए के डीन डॉ. मयंक राय ने कहा कि कुलपति के मार्गदर्शन में आयोजित यह कार्यक्रम छात्रों के कौशल विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने वैज्ञानिक पद्धति से धान की रोपाई, पैडलिंग और खेत की तैयारी का प्रशिक्षण लिया। धान वैज्ञानिक डॉ. नीलांजय ने कहा कि इस प्रकार के व्यावहारिक प्रदर्शन से छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ेगा तथा वे जलवायु-स्मार्ट खेती और आधुनिक कृषि तकनीकों को बेहतर ढंग से समझकर किसानों तक पहुंचाने में सक्षम होंगे।

चिरैया में जाति, आय व आवासीय प्रमाण पत्र के सत्यापन में देरी, ग्रामीण परेशान

बीएनएम@ चिरैया

प्रखंड क्षेत्र में जाति, आय एवं आवासीय प्रमाण पत्र के सत्यापन में हो रही देरी से आम लोगों की परेशानी बढ़ गई है। कई दिनों से आवेदन लंबित रहने के कारण छात्र-छात्राओं, प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों, नौकरी के उम्मीदवारों तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि ऑनलाइन आवेदन करने के बाद उन्होंने सभी आवश्यक दस्तावेज संबंधित कार्यालय में जमा कर दिए हैं, लेकिन समय पर सत्यापन नहीं होने से प्रमाण पत्र जारी नहीं हो पा रहे हैं। इसका असर विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में नामांकन, छात्रवृत्ति, सरकारी नौकरियों के आवेदन, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा अन्य सरकारी कार्यों पर पड़ रहा है। लोगों का आरोप है कि समस्या के समाधान के लिए कई बार संबंधित कार्यालय का चक्कर लगाने के बावजूद केवल आश्वासन ही मिल रहा है। दूर-दराज के गांवों से आने वाले लोगों को बार-बार कार्यालय आने-जाने में समय के साथ आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से लंबित आवेदनों का शीघ्र सत्यापन कर प्रमाण पत्र जारी कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे सामूहिक रूप से अधिकारियों के समक्ष अपनी मांग रखेंगे। ग्रामीणों का कहना है कि प्रमाण पत्र जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों के सत्यापन में अनावश्यक देरी से आम लोगों का सरकारी व्यवस्था पर विश्वास प्रभावित हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से त्वरित कार्रवाई कर व्यवस्था को सुचारु बनाने की अपील की है।

विधायक नारायण प्रसाद ने तटबंध का किया निरीक्षण

बीएनएम@ बेतिया

बेतिया संभावित बाढ़ को देखते हुए पूर्व मंत्री सह स्थानीय विधायक नारायण प्रसाद ने बैरिया प्रखंड के पुजहा बांध से लेकर आसाराम पटखौली तक तटबंध का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जल संसाधन विभाग के अभियंताओं को बाढ़ से पहले सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करने और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दियाउन्होंने बताया कि पुजहा-पटजीरवा क्षेत्र में नदी का दबाव बढ़ता दिखाई दे रहा है, जिस पर विभाग को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। मौके पर बाढ़ संघर्षात्मक जल संसाधन विभाग के अध्यक्ष, सहायक अभियंता, उप अभियंता, भाजपा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि बीते सप्ताह आसाराम पटखौली के ग्रामीणों ने तटबंध की मरम्मत की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। इसके बाद विधायक के निरीक्षण को ग्रामीणों की मांग से जोड़कर देखा जा रहा है।

अभाविप के 78वें स्थापना दिवस पर संगोष्ठी व वृक्षारोपण

बीएनएम@ समस्तीपुर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 78वें स्थापना दिवस के सेवा सप्ताह सह राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के अवसर पर शनिवार को जिले के मोहनपुर इकाई द्वारा बिंगामा स्थित विश्वभारती विद्या निकेतन स्कूल परिसर में संगोष्ठी एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परिषद के कार्यकर्ताओं, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वक्ताओं ने अभाविप की 78 वर्षों की गौरवशाली यात्रा, छात्र हित, राष्ट्र निर्माण तथा सामाजिक सरोकारों में संगठन की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य आदर्श कुमार ने कहा कि स्थापना काल से ही अभाविप विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, सामाजिक उत्तरदायित्व और नेतृत्व क्षमता का विकास करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस युवाओं को राष्ट्रहित में अपनी ऊर्जा और प्रतिभा का सकारात्मक उपयोग करने की प्रेरणा देता है। नगर पालक अमन कुमार झा ने पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि वर्तमान समय में अधिक से अधिक पौधरोपण करना समय की मांग है। संगोष्ठी के उपरांत विद्यालय परिसर में पौधरोपण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में विजय कुमार, किसलय भारद्वाज, रितेश चंद्र प्रताप, राहुल, प्रियरंजन, मुस्कान कुमारी, पिंकी सहित अभाविप के दर्जनों कार्यकर्ता, विद्यालय के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाई।

राजकीय इंटर विद्यालय की घटना की हुई जांच

- कार्यपालक पदाधिकारी ने छात्रों व शिक्षकों से की पूछताछ

बीएनएम@ समस्तीपुर

मोहिउद्दीन नगर प्रखंड क्षेत्र के राजकीय इंटर विद्यालय, मोहिउद्दीननगर में हाल ही में हुई घटना की जांच शनिवार को अनुमंडल कार्यपालक पदाधिकारी राजीव कुमार ने की। जांच के दौरान उन्होंने विद्यालय पहुंचकर छात्रों, शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापक से घटना की जानकारी ली तथा विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। यह जांच मोहनपुर भाजपा मंडल अध्यक्ष सह बीस सूत्री अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) पटोरी को दिए गए शिकायत आवेदन के आलोक में कराई गई। शिकायत में उल्लेख किया गया था कि 2 जुलाई को विद्यालय में परीक्षा एवं कक्षाओं के दौरान एक कमरे में लगे पंखे का ब्लेड टूटकर गिर गया था। घटना के बाद छात्रों ने हंगामा किया था। साथ ही कुछ शिक्षकों पर छात्रों के साथ व्यंग्यात्मक एवं अव्यावहारिक व्यवहार करने का आरोप भी लगाया गया था। हालांकि, संयोगवश इस घटना में कोई छात्र घायल नहीं हुआ और बड़ा हादसा टल गया। जांच के दौरान कार्यपालक पदाधिकारी ने छात्रों से घटना की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और विद्यालय प्रधान सहित शिक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिया कि वे विद्यार्थियों के प्रति संवेदनशील एवं व्यवहारिक दृष्टिकोण अपनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यालय से संबंधित किसी भी समस्या की जानकारी विद्यालय प्रबंध कार्यकारिणी के अध्यक्ष सह स्थानीय विधायक तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को समय पर उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि उसका शीघ्र समाधान हो सके। इस दौरान शिक्षकों ने भी अपनी समस्याएं जांच अधिकारी के समक्ष रखीं।

बंधुआ मजदूरी उन्मूलन कानून कहां है ?

बंधुआ मजदूरी उन्मूलन कानून कहां है? या ऐसे कानूनों का कोई मतलब नहीं होता, जिन पर अमल संभव बनाने के लिए जमीनी स्थितियों को बदलने की ठोस योजना पर काम ना हुआ हो? छिहत्तर साल पहले लागू भारतीय संविधान के अनुच्छेद 23 के तहत गुलामी जैसी किसी प्रथा को निषिद्ध घोषित किया गया। मगर बंधुआ मजदूरी को कानूनन प्रतिबंधित करने में 26 साल और लगे। 1976 में बंधुआ मजदूरी पर रोक का कानून पारित हुआ। अब उसके बाद 50 साल और गुजर चुके हैं। लेकिन जमीनी हकीकत उत्तर प्रदेश के मुज़फ़्फ़रनगर जिले का मांडी गांव है, जहां दोना बनाने वाली फैक्टरी से 12 बंधुआ मज़दूर छुड़ाए गए हैं। वैसे मांडी गांव भी सिर्फ एक झांकी है। बंधुआ और बाल बंधुआ मजदूरों से काम लेने या कभी-कभार उन्हें छुड़ाने की खबरें अक्सर हमारे सामने आती रहती हैं। मांडी की घटना बहुचर्चित हुई, तो इसलिए कि वहां मजदूरों से बर्बरता की इंतहा कर दी गई। उनकी दुर्दशा की कहानियों ने लोगों को झकझोरा है। पुलिस और उत्तर प्रदेश के श्रम विभाग की संयुक्त कार्रवाई में छुड़ाए गए इन श्रमिकों के बारे में सामने आया है कि उन्हें क़ैदियों की तरह रखा गया, मोबाइल छीन लिए गए, पहचान-पत्र जला दिए गए और बाहर निकलने की मनाही कर दी गई। मुज़फ्फरनगर के पुलिस अधीक्षक के मुताबिक कुछ मज़दूरों की पसलियां टूट गईं, कई के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान हैं और आरोप है कि अत्याचार के चलते कुछ लोगों की मौत भी हुई। यह बात पुलिस ने कही है कि फैक्टरी में मजदूरों से जानवरों जैसा बर्बरतापूर्ण व्यवहार किया जाता था। उन्हें लोहे की गर्म रॉड, बेल्ट और डंडों से बुरी तरह पीटा जाता था। ये मजदूर बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों से वहां काम की तलाश में वहां आए थे। तो प्रश्न है कि संवैधानिक उद्घोषणा और बंधुआ मजदूरी उन्मूलन कानून कहां हैं? या ऐसे कानूनों का कोई मतलब नहीं होता, जिन पर अमल संभव बनाने के लिए जमीनी स्थितियों को बदलने की किसी ठोस योजना पर काम ना हुआ हो? विचारणीय मुद्दा है कि अलग- अलग राज्यों से पलायन कर बंधुआ बनने के लिए किसी दूसरी जगह पर मजदूर क्यों आते हैं? दरअसल, ऐसी हर कहानी आजीविका की बदहाल सूरत का सबूत है, जो अपने लोकतंत्र पर एक गंभीर प्रश्न-चिह्न भी है।

राजस्व सुधारों की नई इबारत लिखता छत्तीसगढ़

विष्णु प्रसाद वर्मा

-'ऑटो म्यूटेशन0 और 'ऑटो डायवर्सन0 से जमीन संबंधी सेवाओं में ऐतिहासिक बदलाव

-99.95 प्रतिशत ऑटो म्यूटेशन सफलता दर ने रचा रिकॉर्ड, ऑटो डायवर्सन में 83.71 प्रतिशत प्रकरणों का हुआ निराकरण

-कोरिया बना नंबर-1, धमतरी ने टॉप-5 में दर्ज कराई दमदार मौजूदगी; जिलों के प्रदर्शन ने दिखाई जवाबदेह प्रशासन की तस्वीर

-एनजीडीआरएस इंटीग्रेशन, मल्टीपल खसरा और रिकवरी मॉड्यूल से राजस्व सेवाओं को मिलेगा नया डिजिटल ढांचा

-आम नागरिक को दफ्तरों के चक्कर से राहत, पारदर्शिता और समयबद्ध निस्तारण के साथ सुशासन का मजबूत मॉडल बन रहा छत्तीसगढ़

सुशासन के नए डिजिटल युग में राजस्व प्रशासन अबफाइलों और लंबित प्रकरणों के पारंपरिक चक्रव्यूह से बाहर निकल चुका है। राज्य शासन के राजस्व, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विभाग ने तकनीक को माध्यम बनाकर जमीन से जुड़ी सेवाओं का पूरी तरह कायाकल्प कर दिया है। ऑटो म्यूटेशन (स्वतः नामांतरण) और ऑटो डायवर्सन (स्वतः व्यवर्तन) जैसी जन-हितैषी व्यवस्थाओं ने विभाग को तेज, पारदर्शी और मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त बनाया है। इससे आम नागरिकों को दफ्तरों के चक्कर, लंबे इंतजार और मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना से स्थायी मुक्ति मिली है। पहले रजिस्ट्री के बाद नामांतरण के लिए अलग से आवेदन और भौतिक सत्यापन की थकाऊ प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था, लेकिन छत्तीसगढ़ सरकार की मजबूत इच्छाशक्ति से अब यह स्वतः संपन्न हो रहा है। इसके साथ ही, भूमि उपयोग परिवर्तन (डायवर्सन) के लिए आवेदन, प्रीमियम निर्धारण और शुल्क गणना को भी आधुनिक तकनीक से त्रुटिहीन बनाया गया है। छत्तीसगढ़ का यह डिजिटल गवर्नेंस मॉडल आज देश के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभरा है। आंकड़ों की जुबानीः सफलता की एक नई गाथाः राजस्व विभाग द्वारा जारी प्रामाणिक आंकड़े इस ऐतिहासिक परिवर्तन की गवाही देते हैं। राज्य में अब तक कुल 1 लाख 40 हज़ार 607 पंजीकृत विलेखों में से रिकॉर्ड 1 लाख 40 हज़ार 536 मामलों का सफलतापूर्वक ऑटो म्यूटेशन किया जा चुका है। संपूर्ण प्रदेश में केवल 71 प्रकरण प्रक्रियाधीन हैं, जिससे विभाग ने 99.95 प्रतिशत की अभूतपूर्व सफलता दर हासिल की है। वहीं दूसरी ओर, ऑटो डायवर्सन व्यवस्था के तहत कुल 5 हजार 661 आवेदन दर्ज किए गए, जिनमें से 4 हज़ार 739 मामलों का त्वरित निराकरण किया गया। इस प्रकार 83.71 प्रतिशत प्रकरणों का निस्तारण कर यह साबित कर दिया गया कि जटिल तकनीकी प्रक्रियाओं को भी डिजिटल माध्यम से सुगम और पारदर्शी बनाया जा सकता है। राजस्व सेवाएँ सीधे नागरिक के जीवन, संपत्ति और निवेश से जुड़ी होती हैं; अतः इनमें गति आने से राज्य की आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक गतिविधियों को नई रफ्तार मिली है।

ऑटो म्यूटेशन ने बदली नामांतरण की तस्वीरः किसी भी संपत्ति की रजिस्ट्री के बाद भू-अभिलेखों में नाम दर्ज होना एक अनिवार्य प्रक्रिया है। पुराने दौर में पटवारियों और तहसील कार्यालयों के चक्कर काटना, दस्तावेजों की जांच में महीनों गंवाना और अनिश्चितता का सामना करना आम बात थी, जिसने भ्रष्टाचार को भी बढ़ावा दिया। आज छत्तीसगढ़ की तस्वीर बदल चुकी है। 1 लाख 40 हज़ार 607 पंजीकृत विलेखों में से 1 लाख 40 हज़ार 536 मामलों का स्वतः नामांतरण होना यह दर्शाता है कि अब नागरिक को अपने हक के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ रहा है। इस व्यवस्था से समय और धन की भारी बचत हो रही है और रिकॉर्ड रीयल-टाइम अपडेट होने से जमीनी धोखाधड़ी पर लगाम लगी है। इस सफलता को बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा एक सख्त तकनीकी लॉक सिस्टम विकसित किया गया है। इसके तहत, यदि किसी संपत्ति का एक भी पुराना ऑटो म्यूटेशन लंबित है, तो संबंधित सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में उस संपत्ति की अगली रजिस्ट्री तब तक नहीं हो पाएगी जब तक पिछला म्यूटेशन क्लियर न हो जाए। यह कदम निचले स्तर के प्रशासनिक अमले को जवाबदेह बनाता है। ऑटो डायवर्सन से भूमि उपयोग परिवर्तन की प्रक्रिया हुई तेजः कृषि भूमि को आवासीय, वाणिज्यिक या औद्योगिक उपयोग में बदलना (डायवर्सन) शहरीकरण, निवेश और रोजगार सृजन की रीढ़ है। पहले आवेदकों को शुल्क, आवश्यक दस्तावेजों और समय सीमा की स्पष्ट जानकारी नहीं होती थी। फरवरी से जून 2026 के बीच 5 हजार 661 आवेदनों में से 4 हजार 739 का त्वरित निस्तारण यह दिखाता है कि विभाग ने गाइडलाइन दरों के आधार पर प्रीमियम निर्धारण जैसी पेचीदा प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित कर दिया है। वर्तमान में जो 922 लंबित मामले हैं, उनके पीछे अपूर्ण दस्तावेज, चालान राशि में तकनीकी अंतर या नगर तथा ग्राम निवेश के मास्टर प्लान से भिन्न प्रयोजन होना जैसे व्यावहारिक कारण हैं। इन चुनौतियों को सार्वजनिक करना विभाग की पारदर्शिता और विश्वसनीयता को दर्शाता है।

जिला-वार प्रदर्शन ने दिखाई नई प्रशासनिक संस्कृतिः ऑटो डायवर्सन के क्रियान्वयन में जिलों के बीच एक स्वस्थ और परिणाम-उन्मुख प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है, जो यह प्रमाणित करती है कि सुधार जमीनी स्तर पर लागू हो चुके हैं। कोरिया जिला कुल 59 प्रकरणों में से सभी 59 का शत-प्रतिशत निराकरण कर 100 प्रतिशत सफलता दर के साथ पूरे राज्य में प्रथम स्थान पर रहा।कोरबा जिला 98.46 प्रतिशत की सफलता दर के साथ अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। इसी तरह मुंगेली जिला 94.16 प्रतिशत मामलों का निपटारा कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।बालोद जिला 93.72 प्रतिशत निस्तारण दर के साथ शीर्ष जिलों में शामिल रहा।धमतरी जिला कुल 165 प्रकरणों में से 153 का वैधानिक निराकरण कर 92.73 प्रतिशत सफलता दर के साथ राज्य में पाँचवाँ (शीर्ष-5) स्थान प्राप्त किया। धमतरी का यह प्रदर्शन नियमित समीक्षा और जवाबदेह कार्यशैली का परिणाम है।

तकनीकी सुधार और नए डिजिटल मॉड्यूल्सः विभाग अपनी वर्तमान उपलब्धियों से आगे बढ़कर एक एकीकृत डिजिटल इकोसिस्टम के निर्माण में जुटा है। एनजीडीआरएस एपीआई इंटीग्रेशन इसके माध्यम से सरकारी गाइडलाइन दरें सीधे पोर्टल से प्राप्त हो रही हैं, जिससे प्रीमियम का निर्धारण मानवीय हस्तक्षेप के बिना पूरी तरह स्वचालित और पारदर्शी हो गया है।

डायवर्टेड टू डायवर्टेड मॉड्यूलः यदि पहले से डायवर्टेड भूमि का आंतरिक उपयोग बदलना हो (जैसे आवासीय से वाणिज्यिक), तो इस मॉड्यूल के तहत निस्तारण के लिए 15 दिवस की समय सीमा तय की गई है।

मल्टीपल खसरा मॉड्यूलः एक से अधिक खसरों वाली भूमि के लिए अब एक ही आवेदन में अनेक खसरों का चयन, स्वतः शुल्क गणना और ई-चालान की सुविधा मिलेगी। इसके लिए समय सीमा जुलाई 2026 रखा गया है।

रिकवरी मॉड्यूलः पुराने लंबित मामलों के निपटारे के लिए पूर्व भुगतानों की प्रविष्टि, शेष प्रीमियम की गणना, भू-राजस्व/उपकर की मांग और एक उच्च स्तरीय रिकवरी डैशबोर्ड की व्यवस्था की जाएगी।इ सके लिए समय सीमा अगस्त 2026 निर्धारित किया गया है।

सुशासन का नया मॉडल बनता छत्तीसगढ़ः यह ऐतिहासिक बदलाव सिर्फ तकनीकी आंकड़ों का नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के पौने तीन करोड़ नागरिकों के जीवन को सरल और सुरक्षित बनाने का माध्यम है। किसान, गृहस्वामी, व्यापारी और औद्योगिक निवेशक सभी को अब घर बैठे अपने मोबाइल पर पारदर्शी सेवाएँ मिल रही हैं। दिसंबर 2026 तक के लिए तय किए गए रोडमैप के अनुसार, राज्य के सभी क्षेत्रों की सैटेलाइट/ड्रोन मैपिंग, टीएनसीपी से एनओसी लिंकिंग और मुख्य भू-अभिलेख पोर्टल का वृहद् अपग्रेडेशन किया जाना है। ये कदम छत्तीसगढ़ को डिजिटल राजस्व प्रशासन के क्षेत्र में एक राष्ट्रीय बेंचमार्क के रूप में स्थापित करने के लिए पूरी तरह तैयार कर रहे हैं। तकनीक, संवेदनशीलता और जवाबदेही के इस बेजोड़ संगम से छत्तीसगढ़ ने जन-केंद्रित शासन की एक नई मिसाल पेश की है।

लेखक सहायक संचालक हैं

स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन-विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की प्रगति का व्यावहारिक रास्ता

श्रीपाद नाइक

-ब्रिक्स की भारत की अध्यक्षता दृढ़ता, नवाचार, सहयोग और स्थायित्व पर आधारित व्यावहारिक रास्तों को आगे बढ़ाने का अवसर देती है

वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता, ऊर्जा की बढ़ती मांग और जलवायु से जुड़ी गंभीर चुनौतियों के इस दौर में, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ऐसी ऊर्जा प्रणालियों का निर्माण करने की जरूरत है जो स्वच्छ व अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित, सस्ती एवं भरोसेमंद होने के साथ-साथ विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की विकास संबंधी जरूरतों तथा आर्थिक आकांक्षाओं के अनुरूप भी हों।

स्वच्छ ऊर्जा दरअसल ऊर्जा सुरक्षा, औद्योगिक विकास और दीर्घकालिक विकास की दृष्टि से तेजी से अहम होती जा रही है। यह ईंधन बाजार में आने वाले उतार-चढ़ाव से पैदा होने वाले जोखिमों को कम कर सकती है, ऊर्जा को अपेक्षाकृत अधिक सुलभ बना सकती है, रोजगार सृजित कर सकती है, घरेलू उद्योगों को मजबूत कर सकती है और देश को अपेक्षाकृत अधिक सुदृढ़ बना सकती है। फिर भी, स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ने के रास्ते एक जैसे नहीं हो सकते। इन रास्तों को राष्ट्रीय परिस्थितियों, उपलब्ध संसाधनों और विकास की प्राथमिकताओं के हिसाब से निर्धारित किया जाना चाहिए। इसी बिंदु पर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच आपसी सहयोग महत्वपूर्ण हो जाता है। ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच बेहतर सहयोग से स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा, स्थिरता और समावेशी विकास के साझा लक्ष्यों को भी आगे बढ़ाया जा सकता है। भारत का अपना अनुभव यह बताता है कि स्वच्छ ऊर्जा की शुरुआत लोगों से ही होनी चाहिए। पिछले दशक में, प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) के तहत लगभग 28.6 मिलियन घरों को बिजली के कनेक्शन दिए गए। इससे सभी तक बिजली पहुंचाने का काम आगे बढ़ा और ग्रामीण व कम सुविधा वाले इलाकों में लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत महिलाओं को 105 मिलियन से अधिक एलपीजी कनेक्शन दिए गए। इससे खाना पकाने के साफ-सुथरे तरीकों को बढ़ावा मिला, घर में सेहत बेहतर हुई और कठिन श्रम का बोझ कम हुआ। ये पहल एक महत्वपूर्ण सिद्धांत को रेखांकित करती हैं: स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने को केवल स्थापित मेगावाट या जोड़ी गई क्षमता के आधार पर नहीं मापा जा सकता, बल्कि इससे पैदा हुए अवसरों, सुदृढ़ हुई आजीविका और बेहतर हुए जीवन स्तर के आधार पर भी मापा जाना चाहिए। लोगों को प्राथमिकता देने वाले इस दृष्टिकोण के साथ-साथ बड़े पैमाने पर काम और सहयोगी बुनियादी ढांचे की भी जरूरत है। भारत की स्वच्छ ऊर्जा की कहानी में नवीकरणीय ऊर्जा अहम हो गई है। लेकिन इसकी सफलता इसे समर्थन प्रदान करने वाली प्रणालियों पर निर्भर करती है। सौर और पवन ऊर्जा को तेजी से अपनाया जा सकता है, लेकिन इनकी पूरी क्षमता का लाभ तभी मिल पाएगा जब पारेषण (ट्रांसमिशन), वितरण (डिस्ट्रीब्यूशन), भंडारण (स्टोरेज) और ग्रिड प्रबंधन एकसाथ मिलकर काम करें। भारत ने स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार में सहायता प्रदान करने वाली प्रणालियों को मजबूत करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। पारेषण संबंधी बुनियादी ढांचे (ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर) का निरंतर विस्तार हुआ है। इसके साथ-साथ ऊर्जा के भंडारण (एनर्जी स्टोरेज) और ग्रिड की सुदृढ़ता (ग्रिड फ्लेक्सिबिलिटी) के क्षेत्र में भी निवेश बढ़ा है। वितरण (डिस्ट्रीब्यूशन) संबंधी सुधारों और उन्नत ग्रिड तकनीक को अपनाने से एक ऐसी बेहतर एवं भरोसेमंद ऊर्जा प्रणाली बनाने में मदद मिली है, जो नवीकरणीय ऊर्जा की बढ़ती हिस्सेदारी को समन्वित करने में सक्षम है। भारत की गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित क्षमता अब 288 गीगावॉट से अधिक हो गई है। बड़े पैमाने की परियोजनाओं के अलावा, वितरित नवीकरणीय ऊर्जा (डीआरई) प्रणालियां – जैसे कि रूफटॉप सोलर, सोलर पंप, मिनी-ग्रिड और माइक्रो-ग्रिड – ग्रामीण और कम सुविधा वाले इलाकों में स्वच्छ ऊर्जा को और अधिक सुलभ बना रही हैं। ये प्रणालियां सिंचाई, कोल्ड स्टोरेज, स्कूलों, हेल्थकेयर सेंटरों तथा स्थानीय व्यवसायों को मदद पहुंचाने के साथ-साथ ग्रामीण आजीविका और स्थानीय आर्थिक सुदृढ़ता को भी बढ़ावा दे रही हैं। भारत की 'पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना0 बड़े पैमाने पर इस दृष्टिकोण को दर्शाती है। इस योजना से अब तक लगभग 4 मिलियन परिवारों को लाभ हुआ है, जिससे उपभोक्ता अपेक्षाकृत अधिक विकेन्द्रीकृत एवं भागीदारी वाली ऊर्जा प्रणाली में योगदान देने वाले बन पाए हैं। हालांकि, स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार में वित्त पोषण सबसे अहम तत्वों में से एक बना रहेगा। कई विकासशील देशों में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन इन संभावनाओं को बड़े पैमाने पर लागू करने तथा बैंक से ऋण पाने योग्य परियोजनाओं में बदलने हेतु सस्ती और दीर्घकालिक पूंजी की जरूरत होती है।

आने वाले वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा, वितरण संबंधी बुनियादी ढांचा, ग्रिड के आधुनिकीकरण, भंडारण प्रणाली और कम ऊर्जा खर्च करने वाली तकनीकों में निवेश बेहद जरूरी होगा। न्यू डेवलपमेंट बैंक जैसे संस्थान वित्त पोषण, तकनीक संबंधी साझेदारी और क्षमता विकास के जरिए विकासशील देशों की मदद करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी तकनीकों के लिए सुदृढ़ एवं विविधतापूर्ण आपूर्ति श्रृंखला बनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए सुरक्षित, सस्ती और भरोसेमंद ऊर्जा प्रणालियां सुनिश्चित करने हेतु मैन्यूफैक्चरिंग, तकनीक, नवाचार और आपूर्ति श्रृंखला के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाना जरूरी होगा। अब जबकि ब्रिक्स की भारत की अध्यक्षता आगे बढ़ रही है, सहयोग की एक ऐसी भविष्योन्मुखी रूपरेखा को मजबूत करने का अवसर है जो सामर्थ्य, बड़े पैमाने पर काम करने की क्षमता, विश्वसनीयता, तकनीक की सुलभता, सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला और सतत विकास का समर्थन करे। चुनौती सिर्फ स्वच्छ ऊर्जा की क्षमता को बढ़ाने की ही नहीं, बल्कि ऐसे ऊर्जा प्रणाली के निर्माण की भी है जो सबके लिए सुलभ, किफायती एवं भरोसेमंद होने के साथ-साथ दीर्घकालिक आर्थिक विकास और मानव विकास को कायम रखने में सक्षम हों। (लेखक विद्युत राज्यमंत्री हैं)

आज का राशिफल

मेष राशि : प्रॉपर्टी डीलर के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, अचानक धन लाभ होने की संभावना है। आज कार्यभार अधिक हो सकता है, लेकिन आप किसी काम के लिए जितना अधिक प्रयास करेंगे, काम उतना ही बेहतर तरीके से होगा और आपके जूनियर आपसे काम सीखने आएंगे। आज किसी अनुभवी व्यक्ति की राय आपके लिए कारगर साबित होगी।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। व्यापारियों के लिए आज का दिन शुभ रहेगा। धनलाभ होने के आसार नजर आ रहे हैं। व्यवसाय को आगे बढ़ाने के प्रयासों में काफी हद तक सफलता मिलेगी। आज कोई महत्वपूर्ण फैसला लेने से पहले अनुभवी व्यक्ति की सलाह जरूर लें। जमीन से जुड़ा आज बड़ा मामला सुलझ जाएगा।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिये बढ़िया रहने वाला है। आज आपके काम में आत्मविश्वास की झलक दिखाई देगी। आज आप दूसरों को अपनी बातों से अपनी ओर आकर्षित कर लेंगे। रुका हुआ काम बड़े भाई की मदद से पूरा हो जाएगा। इस राशि के छात्रों को आज प्रतियोगी परीक्षा संबंधी शुभ समाचार मिलने वाला है।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज का दिन आपके जीवन में नयी खुशियां लेकर आने वाला है। पहले शुरू किया हुआ काम आज पूरा हो जाएगा, जिसका सकारात्मक परिणाम मिलेगा। आज अपना धैर्य बनाए रखें और समय के साथ चलें। पारिवारिक फैसले लेते समय अपनी भावनाओं पर काबू रखें। विपरीत परिस्थितियों का हिम्मत से मुकाबला करने की क्षमता आपको खास पहचान दिलाएगी।

सिंह राशिः आज का दिन सामान्य रहेगा। इस राशि के कारोबारी अपनी प्लानिंग सीक्रेट रखें, तो सफलता जरूर हासिल होगी। पूर्व निर्धारित काम आज पूरे हो जाएंगे। किसी काम में निवेश करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। आज फालतू की शॉपिंग करने से बचें, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहे। घर पर किसी खास रिश्तेदार के आने से आपको खुशी होगी।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। जीवनसाथी आज कुछ ऐसा काम करेंगे, जिसे देखकर आपका मन प्रसन्न हो जाएगा। कारोबार में आज कुछ ऐसी बातें सामने आएंगी, जो भविष्य में फायदेमंद रहेंगी। आज आपका स्वास्थ्य बेहतरीन रहने वाला है। किसी नये काम की शुरुआत करना आपके लिये फायदेमंद रहेगा।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए लकी होने वाला है। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जाएंगे। कन्फ्यूजन की स्थिति खत्म होगी। सोशल मीडिया या फोन कॉल के माध्यम से महत्वपूर्ण सूचना मिल सकती है। किसी काम से आज आपको बहुत बड़ा फायदा होने वाला है। साथ ही अधूरा काम पूरा हो जाएगा। आज कुछ निजी काम में बड़ी बहन का सहयोग उम्मीद से अधिक मिलने वाला है।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। इस राशि के लोग आज समझदारी से काम करेंगे, तो आपको फायदा जरूर होगा। बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। पदोन्नति का अवसर मिलने के आसार बन रहे हैं। आज आपके मन में अधिक पैसे कमाने के नये विचार आएंगे। मुश्किल परिस्थिति में आज किसी मित्र का सहयोग मिलेगा, आपकी दोस्ती में और भी मजबूती आएगी।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन अनुकूल रहेगा। आज घर के किसी वरिष्ठ व्यक्ति से मनपसंद तोहफा मिल सकता है। आपके सकारात्मक दृष्टिकोण से आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। अगर आज कहीं यात्रा पर जा रहे हैं, तो फायदा होने वाला है। यात्रा पर जाने से पहले सभी जरूरी दस्तावेज साथ रखना न भूलें। आज थोड़ा आलस्य महसूस हो सकता है। आज आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज का दिन नई सौगात लेकर आएगा। कारोबार में वृद्धि के लिये आज का दिन शुभ है। पहले से बनी योजनाओं को लागू करना आज ठीक रहेगा। आस पास के लोग आज आपसे खुश रहेंगे। इस राशि के जो लोग पर्यटन से जुड़े हैं, उन्हें आज आर्थिक लाभ मिलने वाला है।

कुंभ राशिः किसी नये व्यापार में माता-पिता की राय कारगर साबित होने वाली है। स्टूडेंट्स का पढ़ाई में मन लगेगा। घर से बाहर रहकर शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों को आज बड़ी सफलता मिलने वाली है। कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज धनलाभ के अवसर मिलेंगे। लवमेट आज एक दूसरे की भावनाओं को समझेंगे। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मीन राशिः आज आपकी सेहत पहले से बेहतर रहेगी। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीजें सुधर रही हैं। कॉलेज में दोस्तों के साथ हंसी मजाक होगा। साथ ही बीच में किसी बात को लेकर चर्चा भी करेंगे। आज खुद को व्यर्थ के कामों से दूर रखें, वरना आपका अधिक समय फिजूल के कामों में निकल जाएगा।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है मिड डे मील योजना

पबित्रा मार्गेरिटा

भारत में मिड डे मील योजना (मध्याह्न भोजन योजना) की शुरुआत 15 अगस्त 1995 को प्राथमिक शिक्षा के लिए पोषण सहायता का राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में की गई थी। वर्ष 2021 में केंद्र सरकार ने इसका नाम बदलकर प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण कर दिया है।योजना के मुख्य उद्देश्यइस योजना को लागू करने के पीछे निम्नलिखित महत्वपूर्ण उद्देश्य थे। ग्रामीण और वंचित वर्गों के गरीब बच्चों को स्कूल आने के लिए प्रोत्साहित करना और स्कूलों में छात्रों का नामांकन बढ़ाना। स्कूलों में बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करना और बीच में स्कूल छोड़ने की दर को कम करना।कुपोषण से पीड़ित बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण स्तर को बेहतर बनाना।भूखे बच्चों की भूख मिटाकर कक्षा की गतिविधियों और पढ़ाई में उनका ध्यान केंद्रित करने में मदद करना।विभिन्न जातियों और पृष्ठभूमि के बच्चों को एक साथ बैठाकर भोजन कराना, जिससे सामाजिक दूरी कम हो और भाईचारा बढ़े।

गरीब बच्चों को पोषण देने और स्कूलों की ओर आकर्षित करने के लिए मिड-डे मील योजना भोजन पकाने में लापरवाही तथा स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संबंधी नियमों की अनदेखी के चलते योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है, अनहाइजनिक और असुरक्षित भोजन खा कर बच्चे बीमार हो रहे हैं।कहीं मिड-डे मील मेन्यू के हिसाब से नहीं बनता तो कई बार भोजन में सुरसरी घुन कीड़े, कंकड़ छिपकलियां, मेंढक और यहां तक कि सांप मिलने की शिकायतें भी आती रहती हैं, हाल ही में एक के बाद एक ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति हो रही है। इस तरह यह योजना लक्ष्य से भटक गयी है।

आपको सुर्खियों में रही कुछ ताजा घटनाओं का हवाला देते हैं ताकि इस योजना के क्रियान्वयन में हो रही गड़बड़ी का अंदाजा लगा सकते हैं

1 जनवरी को ग्वालियर (मध्य प्रदेश) के गोकुलपुर गांव में स्थित सरकारी प्राइमरी स्कूल में बच्चों को परोसने के लिए बनाई गई आलू की सब्जी में मरा हुआ मेंढक निकला। 6 फरवरी को मधेपुरा (बिहार) के साहूगढ़ स्थित सरकारी सीनियर सैकेंडरी स्कूल में मिड-डे मील खाने वाले 70 से अधिक बच्चों को उल्टियां, पेट दर्द, घबराहट व बेचैनी होने लगी तथा उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा। जांच करने पर सब्जी बनाने वाले बर्तन में मृत छिपकली पड़ी मिली।11

मार्च को कोयम्बटूर (तमिलनाडु) के कबुंदमपयलम गांव के सैकेंडरी स्कूल में परोसा गया मिड-डे मील खाते ही 44 छात्र फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गए और उन्हें इलाज के लिए तुरंत अस्पताल ले जाया गया। आरोप है कि भोजन में एक छिपकली गिर गई थी। 14 अप्रैल को मयूरभंज (ओडिशा) के एक सरकारी रैजीडैंशियल स्कूल में मिड-डे मील योजना के अंतर्गत पकाया गया दूषित भोजन करने से 100 से अधिक छात्र बीमार हो गए तथा पांचवीं कक्षा की एक छात्रा की मौत हो गई। 23 अप्रैल को मुंगेर (बिहार) के सराधी गांव के सरकारी सैकेंडरी स्कूल में मिड-डे मील में पकाए जाने वाले चावल के ड्रम में मरा हुआ चूहा और उसका मल-मूत्र मिलने से हड़कंप मच गया। 6 मई को अलवर (राजस्थान) के नंगली गांव के सीनियर सैकेंडरी स्कूल के बच्चों को मिड-डे मील में परोसी गई दाल में मरा हुआ चूहा मिला। समय रहते पता चल जाने से यह दाल बच्चों को परोसी नहीं गई वर्ना कोई अप्रिय घटना भी हो सकती थी। 8 मई को सीतापुर (उत्तर प्रदेश) के तारनपुर में स्थित सरकारी स्कूल के मिड-डे मील में कीड़े निकले। 8 मई को ही सहरसा (बिहार) के महिषी कस्बे में स्थित सरकारी स्कूल में परोसा गया मिड-डे मील खाने के फौरन बाद 250 से अधिक बच्चे उल्टी, तेज पेट दर्द और घबराहट की शिकायत करने लगे जिस पर बच्चों को तुरंत इलाज के लिए अस्पतालों में पहुंचाया गया। बच्चों के अभिभावकों का आरोप है कि मिड-डे मील में सांप था। 30 जून को खगड़िया (बिहार) में स्थित एक सरकारी स्कूल में कीड़ों वाला और खराब मिड-डे मील खाने से 25 बच्चे बीमार हो गए जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा। और अब 3 जुलाई को दिल्ली में हरीनगर के एक सरकारी स्कूल के अपर प्राइमरी विंग के बच्चों को खाना बांटे जाने के दौरान एक हैल्पर ने मिड-डे मील के एक कंटेनर के अंदर मरी हुई छिपकली देखी। उसने तुरंत प्रशासन को सूचित किया और स्कूल प्रशासन ने तुरंत भोजन का वितरण रुकवाया। हालांकि बच्चों को परोसने से पहले भोजन को एक अध्यापक सहित 2 वयस्कों द्वारा खा कर जांचना और कच्चे सामान व बर्तनों आदि की शुद्धता के नियमों का पालन करना जरूरी है परन्तु अधिकांश मामलों में इन नियमों का पालन ही नहीं किया जाता। अतः मिड-डे मील बनाकर सप्लाई करने वाली संस्थाओं की निगरानी बढ़ाने और अपने यहां मिड-डे मील तैयार करने वाले स्कूलों के किचन और भोजन तैयार करने की प्रक्रिया का निरीक्षण करने तथा सुरक्षित भोजन व्यवस्था सुनिश्चित करने और उसके साथ ही घटिया खाद्य पदार्थ सप्लाई करने वालों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई करने की आवश्यकता है। इस के संबंध में पता चला है कि प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (पूर्व नाम मिड डे मील) योजना के तहत भारत सरकार प्रति बच्चा (कुकिंग कॉस्ट/सामग्री) प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 5) के लिए प्रतिदिन 6.78 और उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6 से 8) के लिए 10.17 देती है। यह केंद्रीय और राज्य सरकारों द्वारा साझा किया जाता है।इसके अतिरिक्त, केंद्र सरकार द्वारा प्रति बच्चा प्रतिदिन 100 ग्राम (प्राथमिक) और 150 ग्राम (उच्च प्राथमिक) के हिसाब से मुफ्त अनाज (चावल/गेहूं) भी उपलब्ध कराया जाता है।विभिन्न श्रेणियों के अनुसार कुल कुकिंग लागत का विवरण इस प्रकार है:बाल वाटिका और प्राथमिक स्कूलः 6.78 प्रतिदिनअपर प्राइमरी स्कूलः 10.17 प्रतिदिनवित्तपोषण यह कुकिंग लागत केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा 60:40 के अनुपात (सामान्य राज्यों के लिए) में साझा की जाती है। इसके अलावा, अनाज की पूरी लागत और उसे स्कूल तक पहुंचाने का खर्च 100% केंद्र सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

ऐतिहासिक लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन मंधाना-हरमनप्रीत के अर्धशतक, भारत 285 रन पर ऑलआउट

पहले दिन का खेल खत्म होने पर इंग्लैंड ने 1 विकेट पर 21 रन बनाए

एजेंसी, लंदन

महिला टेस्ट क्रिकेट के 142 साल के इतिहास में पहली बार लॉर्ड्स मैदान पर खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन शुक्रवार को भारतीय टीम ने 285 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (83), कप्तान हरमनप्रीत कौर (58) और दीप्ति शर्मा (57) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचा, हालांकि इंग्लैंड ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर मेहमान टीम को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। लॉर्ड्स में पहली बार महिला टेस्ट आयोजित होने के कारण यह मुकाबला ऐतिहासिक बन गया। मैच शुरू होने से पहले इंग्लैंड की कई पूर्व महिला क्रिकेटरों को सम्मानित किया गया और दोनों टीमों ने इस यादगार अवसर का हिस्सा बनने का गौरव हासिल किया। टॉस जीतकर इंग्लैंड की कप्तान नेट साइवर-ब्रंट ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इंग्लैंड को शुरुआती सफलता लॉरेन फाइलर ने दिलाई, जिन्होंने शेफाली वर्मा को आउट कर लॉर्ड्स महिला टेस्ट इतिहास का पहला विकेट अपने नाम किया। इसके बाद लॉरेन बेल और अन्य गेंदबाजों ने भारतीय बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। स्मृति मंधाना ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 83 रन बनाए और भारत की पारी को संभाला। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 58 रन की अहम पारी खेली, जबकि दीप्ति शर्मा ने भी 57 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाने का प्रयास किया। हालांकि इंग्लैंड ने बीच-बीच में लगातार विकेट चटकाए। पदार्पण कर रहीं मैडी विलियर्स ने हरमनप्रीत कौर को बोल्ड कर भारत को बड़ा झटका दिया। इंग्लैंड की गेंदबाजी अनुशासित रही और भारतीय टीम अंततः 285 रन पर सिमट गई। दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 1 विकेट पर 21 रन बना लिए थे। टैमी ब्यूमोंट जल्दी आउट हो गईं, जबकि माया बाउशियर 17 रन बनाकर नाबाद रहीं। इंग्लैंड अभी भारत से 264 रन पीछे है।

फीफा विश्व कप : हैरी केन ने डोनाल्ड ट्रंप के साथ गोल्फ खेलने की पुष्टि की, बोले- यह एक अविस्मरणीय अनुभव था

एजेंसी, मियामी

इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन ने पुष्टि की है कि उन्होंने करीब डेढ़ साल पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ गोल्फ खेला था। केन ने इस मुलाकात को "अवास्तविक और यादगार अनुभव" बताया और कहा कि ट्रंप का गोल्फ खेल भी काफी अच्छा है। दरअसल, ट्रंप ने इस सप्ताह इंग्लैंड की मेक्सिको पर 3-2 की जीत के बाद खुलासा किया था कि वह पहले केन के साथ गोल्फ खेल चुके हैं और उन्होंने इंग्लिश कप्तान की फुटबॉल के साथ-साथ गोल्फ की भी तारीफ की थी। विश्व कप क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे के खिलाफ मुकाबले से पहले मियामी में मीडिया से बातचीत में केन ने कहा, "मैंने भी ठीक-ठाक गोल्फ खेला। जब मैं पाम बीच में था तो राष्ट्रपति ने मुझे गोल्फ खेलने के लिए आमंत्रित किया। जब अमेरिका का राष्ट्रपति आपको बुलाए, तो उसे ठुकराना आसान नहीं होता।" उन्होंने कहा, "उनसे मिलना और उनके साथ गोल्फ खेलना एक बेहद अलग और अविस्मरणीय अनुभव था। सच कहूं तो उनका गोल्फ खेल काफी अच्छा है। उम्मीद करता हूं कि उनकी उम्र में मैं भी उतना अच्छा खेल सकूं। मैं उनका निमंत्रण पाकर बेहद आभारी हूं।" मेक्सिको के खिलाफ इंग्लैंड की जीत के बाद ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा था, "इंग्लैंड के हैरी केन महान खिलाड़ी हैं।" इसके अगले दिन उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा, "मैंने केन के साथ गोल्फ खेला है। वह शानदार खिलाड़ी हैं और बेहतरीन इंसान भी। उनका गोल्फ भी काफी अच्छा है।" हैरी केन इस विश्व कप में शानदार फॉर्म में हैं। वह अब तक छह गोल कर चुके हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में नॉर्वे के एरलिंग हालैंड से केवल एक गोल पीछे हैं। इंग्लैंड अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए नॉर्वे से भिड़ेगा। इस बीच, डोनाल्ड ट्रंप इस सप्ताह फीफा विश्व कप से जुड़ी एक और वजह से भी चर्चा में रहे। उन्होंने फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो से अमेरिका के स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन पर लगे निलंबन को लेकर बातचीत की थी। हालांकि फीफा ने बाद में स्पष्ट किया कि बालोगुन की सजा में बदलाव ट्रंप के हस्तक्षेप की वजह से नहीं किया गया था।

प्रभसिमरन ने अपनी सफलता का श्रेय युवराज और पोंटिंग के सहयोग को दिया

एजेंसी, चंडीगढ़

पंजाब के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में चयन के बाद से ही बेहद खुश हैं। घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन से प्रभावित करने वाले इस बल्लेबाज ने कहा है कि उनके यहां तक पहुंचने में युवराज सिंह से मिली सलाह और और आईपीएल में पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के अटूट समर्थन की अहम भूमिका रही है। गौरतलब है कि पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज के तौर पर पिछले दो आईपीएल सत्र में प्रभसिमरन ने 500 से अधिक रन बनाकर सभी का ध्यान खींचा था। प्रभसिमरन को इसी कारण ईशान किशन के होने के बाद भी जिम्बाब्वे दौरे के लिए दूसरे विकेटकीपर के तौर पर शामिल किया गय है। प्रभसिमरन ने कहा कि कि जब आप लक्ष्य हासिल करते हैं तो अच्छा महसूस होता ही है। उन्होंने एशियाई खेल 2023 के अनुभव को भी अच्छा बताया था, हालांकि उन्हें उस दौरान खेलने का अवसर नहीं मिला था। उन्होंने अपनी आकांक्षाएं व्यक्त करते हुए कहा, अब जिम्बाब्वे दौरे से मैं खेले बिना लौटना नहीं चाहता। मैंने हमेशा से देश के लिए खेलने के बारे में सोचा है और मुझे टीम में बने रहना है। अगर मुझे मौका मिला तो मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा ताकि टीम से बाहर नहीं होना पड़े।प्रभसिमरन को युवराज सिंह ने शुरुआत से ही मार्गदर्शन दिया था। प्रभसिमरन ने कहाआईपीएल के बाद से हालांकि उनके साथ कोई नियमित सत्र नहीं हुआ था पर भारतीय टीम में चुने जाने के बाद मैंने उन्हें फोन किया था।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर आफताब बलोच के रनों से जुड़ा अद्भुत संयोग

एजेंसी, लाहौर। क्रिकेट इतिहास में कई हैरान करने वाली घटनाएं भी समय-समय पर होती रही हैं। ऐसी ही एक अविश्वसनीय कहानी पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर आफताब बलोच से जुड़ी है। इस क्रिकेटर ने सला 1973 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 428 रनों का एक विशाल स्कोर बनाया था पर उनकी कहानी यहीं खत्म नहीं होती, बल्कि एक साल बाद किस्मत ने उनके साथ एक ऐसा अनोखा खेल खेला जिसे जानकार सभी हैरान हो गये। ये था उन्हें जो कमरा मिला था उसका नंबर उनके बनाये रनों के बराबर था। जिससे सभी हैरान हो गये। साल 1973 में पाकिस्तान के सिंध प्रांत की ओर से खेलते हुए आफताब बलोच ने बलूचिस्तान के खिलाफ कराची के मैदान पर यह ऐतिहासिक कारनामा किया। उन्होंने 10 घंटे से अधिक समय तक बल्लेबाजी करते हुए 25 चौकों की मदद से 428 रनों की लंबे पारी खेली। यह प्रथम श्रेणी क्रिकेट के इतिहास का सातवां सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। उनकी यह पारी न केवल रनों के विशाल अंबार के लिए, बल्कि पिच पर टिके रहने की उनकी अद्भुत क्षमता के लिए भी जानी जाती है। क्रिकेट के पूरे इतिहास में उनसे अधिक समय तक बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी केवल छह ही रहे हैं।

शॉर्ट पिच गेंदें बनी वैभव की कमजोरी, एक ही तरह से तीन बार विकेट गंवाया

एजेंसी, लंदन

15 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू कर सुर्खियां बटोरने वाले उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब तक इंग्लैंड दौरे में प्रभावित नहीं कर पाये हैं। वैभव ने अब तक इस दौरे में तीन टी20 मैच खेले हैं। जिसमें वह 14, 13 और 15 रन बना पाये हैं। इस प्रकार वह तीन मैचों में कुल 42 रन ही बना पाये हैं। इन तीनों ही मैचों में वैभव ने उतरते ही बड़े शॉट लगाये पर वह विकेट पर टिक कर बड़ी पारी नहीं खेल पाये। इससे उनके शॉट चयन पर भी सवाल उठने लगे हैं। वैभव ने इससे पहले आईपीएल में जबरदस्त प्रदर्शन किय था लेकर इंग्लैंड की उछाल भरी तेज पिचों पर वह हालात के अनुसार खेलने में विफल रहे हैं।

वैभव ने पिछले तीनों मैचों में एक ही तरह की गेंद शॉर्ट पिच पर अपना विकेट गंवाया है। इससे पता चलता है कि तेज और दोहरी उछाल वाली गेंदों को वह सही ढंग से नहीं खेल पर रहे। वह न तो उन्हें ठीक से पिक कर पा रहे हैं और न ही उन पर तगड़ा शॉट लगा पा रहे हैं, जिससे वह कम स्कोर पर ही कैच आउट हो रहे हैं। विरोधी टीमों को अब शॉर्ट गेंद को लेकर वैभव की कमजोरी का पता चल गया है जिससे अब वह उन्हें इसी प्रकार की गेंदबाजी कर दबाव डालने लगी हैं।

हालांकि अभी ये नहीं माना जा सकता कि वैभव इस प्रकार की गेंदों को नहीं खेल सकते हैं क्योंकि उन्होंने जोफा आर्चर सहित दुनिया भर के कई गेंदबाजों के खिलाफ आईपीएल में काफी रन बनाये थे।

बिजनेस

वित्तमंत्री बैंकों के प्रमुखों के साथ करेंगी बैठक

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सोमवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के प्रमुखों के साथ बैठक करेंगी। बैठक में बैंकों की ओर से विदेशी मुद्रा जमा जुटाने के लिए चलाए जा रहे अभियान की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सोमवार, 13 जुलाई को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और आईडीबीआई बैंक समेत वित्तीय संस्थानों के प्रमुखों के साथ बैठक की अध्यक्षता करेंगी। इस बैठक में विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) जमा (एफसीएनआर-बी), विदेशी मुद्रा बांड और बाहरी वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) जुटाने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। इसके अलावा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से अर्थव्यवस्था के उत्पादक क्षेत्रों में ऋण प्रवाह बढ़ाने का आग्रह भी कर सकती हैं। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब एफसीएनआर (बी) जमा में प्रवाह में तेज गिरावट आई है। वित्त वर्ष 2025-26 में इसका शुद्ध प्रवाह घटकर केवल 94.6 करोड़ डॉलर रह गया है, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 7.1 अरब डॉलर रहा था। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने पिछले महीने प्रवासी भारतीयों (एनआरआई), भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों (ओसीआई) और भारतीय मूल के लोगों (पीआईओ) से विदेशी मुद्रा जमा आकर्षित करने के लिए तीन से पांच साल की अवधि वाली नई एफसीएनआर (बी) जमाओं पर ब्याज दर सीमा को 30 सितंबर तक के लिए हटा दिया था।

स्टेट बैंक ने एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट में 1.42 फीसदी हिस्सेदारी 1,655 करोड़ में बेची

एजेंसी, नई दिल्ली । देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपनी सब्सिडियरी परिसंपत्ति प्रबंधन इकाई एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड (एसबीआईएफएम) में 1.42 फीसदी हिस्सेदारी आईपीओ पूर्व नियोजन के तहत 30 निवेशकों को 1,655 करोड़ रुपये में बेची है। एसबीआई ने शुक्रवार को जारी बयान में यह जानकारी दी। बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि यह हिस्सेदारी 574 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेची है, जो प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के मूल्य दायरे की ऊपरी सीमा भी है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 7.26 अरब डॉलर बढ़कर 674.19 अरब डॉलर पर पहुंचा

एजेंसी, मुंबई

देश का विदेशी मुद्रा भंडार तीन जुलाई को समाप्त हफ्ते में 7.26 अरब डॉलर बढ़कर 674.19 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। पिछले हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.65 अरब डॉलर घटकर 666.93 अरब डॉलर रह गया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को आंकड़ों के जरिये बताया कि तीन जुलाई को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार के प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 4.51 अरब डॉलर बढ़कर 545.578 अरब डॉलर हो गई। आरबीआई ने कहा कि इस दौरान देश के स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.67 अरब डॉलर बढ़कर 105.20 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई के मुताबिक इस अवधि में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 6.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.62 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार तीन जुलाई को समाप्त हफ्ते में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित कोष भी 1.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.79 अरब डॉलर हो गया। इस साल 27 फरवरी को समाप्त हफ्ते में पश्चिम एशिया संकट शुरू होने से पहले देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 728.49 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था।

अब तक 1.7 करोड़ से ज्यादा करदाताओं ने भरा रिटर्न, आखिरी तारीख 31 जुलाई

एजेंसी, नई दिल्ली

आकलन वर्ष 2026-27 के लिए अब तक 1.7 करोड़ से ज्यादा करदाताओं ने अपना आयकर रिर्टन (आईटीआर) दाखिल कर दिया है। सिर्फ एक दिन में 10 लाख से ज्यादा आयकर रिटर्न दाखिल किए गए हैं। आयकर विभाग ने शनिवार को एक्स पोस्ट में यह जानकारी दी। विभाग ने करदाताओं से अपील किया है कि यदि आपने अपना आईटीआर-1 और आईटीआर-2 फाइल नहीं किया है, तो समय रहते अपना आयकर रिटर्न दाखिल करें। विभाग ने कहा कि आखिरी समय की भीड़ का इंतजार न करें। आयकर विभाग ने करदाताओं से आखिरी समय की भागदौड़ से बचने और 31 जुलाई 2026 की डेडलाइन से पहले आसानी से अपना आयकर रिर्टन (आईटीआर) https://incometax.gov.in/iec/foportal/ पर फइल करने की अपील की है। आईटीआर-1 (सहज) एक आसान फॉर्म है, जो बड़ी संख्या में छोटे और मध्यम टैक्सपेयर्स के काम आता है। 'सहज' फॉर्म वे निवासी व्यक्ति भर सकते हैं जिनकी सालाना आय 50 लाख रुपये तक है और जिनकी आय का जरिया सैलरी, एक घर की प्रॉपर्टी और 5,000 रुपये तक की सालाना खेती से होने वाली आय है। आईटीआर-2 फॉर्म उन व्यक्तियों और हिंदू अविभाजित परिवारों द्वारा भरा जाता है जिनकी आय किसी बिज़नेस या पेशे से होने वाले मुनाफ़े से नहीं, बल्कि कैपिटल गेन्स (पूंजीगत लाभ) से होती है। आयकर रिर्टन भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई 2026 है।

एसईसीएल की 'नीट' कोचिंग पहल को कोयला मंत्रालय ने अधिसूचित किया

एजेंसी, नई दिल्ली

कोयला मंत्रालय ने साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की प्रमुख कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल 'एसईसीएल के सुश्रुत' को भारत के राजपत्र में अधिसूचित कर दिया है। कोयला कंपनी ने शनिवार को एक बयान में बताया कि वर्ष 2023 में शुरू की गई इस पहल के तहत मेधावी छात्रों को मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' के लिए निःशुल्क आवासीय कोचिंग दी जाती है। कोयला मंत्रालय ने इस योजना के लाभार्थियों के लिए 'आधार' प्रमाणीकरण सक्षम करने संबंधी राजपत्र अधिसूचना जारी की है। मंत्रालय के अधिसूचना के तहत स्वैच्छिक आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से लाभार्थियों तक पारदर्शी, कुशल और लक्षित तरीके से लाभ पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। इसके लिए जो लाभार्थी 'आधार' का उपयोग नहीं करना चाहते, उनके लिए वैकल्पिक सरकारी मान्य पहचान दस्तावेजों का प्रावधान भी रखा गया है। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह राजपत्र अधिसूचना इस योजना को औपचारिक मान्यता देती है। कोयला सार्वजनिक उपक्रम क्षेत्र में इस तरह की पहल के लिए पहली बार ऐसा कदम उठाया गया है, जो खनन क्षेत्रों में सामाजिक विकास में कोयला कंपनियों की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। एसईसीएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक हरीश दुहान ने कहा, 'यह अधिसूचना इस पहल की महत्वपूर्ण पहचान है, जो कोयला क्षेत्र के युवाओं की आकांक्षाओं को अवसरों में बदल रही है। यह सरकार के समावेशी और पारदर्शी विकास के दृष्टिकोण के अनुरूप है।' उल्लेखनीय है कि एसईसीएल की प्रमुख सीएसआर पहल, राजपत्र अधिसूचना प्राप्त करने वाली पहली सीएसआर योजना बन गई है, जिससे लाभों का पारदर्शी, कुशल और प्रौद्योगिकी सक्षम वितरण संभव हो सकेगा। यह पहल पहले ही केंद्र के प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) पोर्टल पर सूचीबद्ध होने वाली कोयला क्षेत्र की पहली सीएसआर योजना बन चुकी है।

आंध्र प्रदेश में वर्जीनिया तंबाकू के विपणन सत्र 2025-26 में प्रगति की वाणिज्य विभाग ने समीक्षा की

एजेंसी, नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश के फ्ल्यू-क्योर्ड वर्जीनिया (एफसीवी) तंबाकू विपणन सत्र 2025–26 की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही तंबाकू खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने, समग्र विपणन तंत्र को मजबूत करने तथा निर्यात को सुगम बनाने के उपायों पर हितधारको के साथ विचार-विमर्श किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि वाणिज्यिक विभाग के अपर सचिव नितिन कुमार यादव (आईएएस) के नेतृत्व में वरिष्ठ अधिकारियों के एक दल ने हैदराबाद में चल रहे आंध्र प्रदेश फ्लू क्योर्ड वर्जीनिया (एफसीवी) तंबाकू विपणन सत्र 2025–26 की समीक्षा की। टीम ने तंबाकू की खेती करने वालों, उत्पाद निर्माता, निर्यातक, व्यापारी, व्यापार संघ और तंबाकू बोर्ड के साथ बातचीत की। मंत्रालय ने कहा कि इस बैठक में बाजार की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की गई और तंबाकू उगाने वालों के हितों की रक्षा के लिए सरकार के कथन को फिर से पक्का किया गया। चर्चा के दौरान फ्लू क्योर्ड वर्जीनिया तंबाकू की खरीद में तेजी लाने, निर्यात को आसान बनाने और पूरे मार्केटिंग इकोसिस्टम को मजबूत करने के उपायों पर ध्यान केन्द्रित किया गया। इस बैठक में इस क्षेत्र के कामकाज को बेहतर बनाने के उद्देश्य से उठाए गए अलग-अलग कदमों की भी समीक्षा की गई। इसमें तंबाकू बोर्ड में ढांचागत बदलाव, ग्रोअर्स वेलफेयर फंड के तहत फायदे बढ़ाना, पंजीकरण प्रक्रिया को आसान बनाना, डिजिटल पहल और एआई आधारित ग्रेडिंग शुरू करना शामिल है।

पॉलिसीबाजार ने अमिताभ को बनाया ब्रांड एंबेसडर, चलाएंगे बीमा जागरूकता अभियान

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑनलाइन बीमा प्लेटफॉर्म 'पॉलिसीबाजार' ने दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन को अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करने की घोषणा की। इसके साथ ही कंपनी ने स्वास्थ्य और 'टर्म' बीमा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक अभियान की भी शुरुआत की है। पॉलिसीबाजार ने शुक्रवार को बताया कि बीमा नियामक भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के वर्ष 2047 तक 'सभी के लिए बीमा' के लक्ष्य के अनुरूप यह जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। यह देश के हर हिस्से में रहने वाले परिवारों को वित्तीय सुरक्षा को प्राथमिकता देने और अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। कंपनी ने कहा कि अमिताभ बच्चन कई पीढ़ियों से भारतीय परिवारों में भरोसे, जिम्मेदारी और आश्वासन के प्रतीक रहे हैं। पॉलिसीबाजार के अनुसार उसका 'परिवार सबसे पहले' अभियान केवल एक नारा नहीं, बल्कि 140 करोड़ से अधिक भारतीयों के लिए एक पहल भी है। कंपनी इस विचार को विज्ञापनों की एक श्रृंखला के जरिए सामने लाएगी। बीमा मंच 'पॉलिसीबाजार' देश का सबसे बड़ा ऑनलाइन बीमा एग्रीगेटर है, जिसकी स्थापना 2008 में हुई थी। यह एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो उपयोगकर्ताओं को प्रमुख बीमा कंपनियों की स्वास्थ्य, टर्म, मोटर (गाड़ी) और यात्रा बीमा पॉलिसियों की तुलना करने और सीधे ऑनलाइन खरीदने की सुविधा देता है।

फिल्म

अपनी ऊर्जा को रचनात्मक दिशा में लगाएं युवा : कंगना रनौत

आधुनिक डेटिंग प्रवृत्तियों और युवा पीढ़ी पर उनके प्रभाव को लेकर अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने गंभीर चिंता जताई है। कंगना रनौत ने युवाओं से आग्रह किया है कि वे अपनी ऊर्जा को रचनात्मक दिशा में लगाएं और लक्ष्यहीन जुनून से बचें। इंस्टाग्राम पर एक विस्तृत पोस्ट साझा करते हुए कंगना ने आज की युवा पीढ़ी के सामने मौजूद चुनौतियों को रेखांकित किया। उन्होंने अपने संदेश में व्हाट्सऐप, इंस्टाग्राम, डेटिंग ऐप्स, बेंचिंग, घोस्टिंग, डबल/ट्रिपल डिजिट बॉडी काउंट्स, क्रम्बिंग, सीइंग, टेस्टिंग, फिल्टर्स, स्टोरीज, ड्रग्स और क्लब्स जैसी अवधारणाओं का जिक्र किया। अभिनेत्री के अनुसार, ये सभी चीजें युवाओं को एक खोखली और अधूरी जिंदगी की ओर धकेल रही हैं, जहाँ ढेर सारे विकल्प होने के बावजूद संतुष्टि का अभाव है। कंगना ने जोर दिया कि बिना किसी निश्चित लक्ष्य या उद्देश्य के जुनून केवल बेतरतीब और आत्म-विनाशकारी अभिव्यक्तियों को जन्म दे सकता है। उनका मानना है कि जुनून का सही स्थान करियर, कौशल या किसी रचनात्मक प्रयास के प्रति होना चाहिए। उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि वे अपने बहुमूल्य समय और ऊर्जा को ऐसे क्षेत्रों में लगाएं, जहाँ उन्हें वास्तविक उपलब्धि और संतोष मिल सके। उन्होंने आगे कहा, खुले दिमाग से सोचें, लेकिन जीवन को रूढ़िवादी तरीके से जिएं। कंगना का तर्क है कि यह दृष्टिकोण युवाओं को बोरियत, नकारात्मकता, अवसाद और अन्य कई मानसिक तथा सामाजिक परेशानियों से दूर रखने में सहायक होगा। कंगना रनौत ने आधुनिक डेटिंग के बढ़ते चलन के सामाजिक परिणामों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इससे समाज में विवाह संबंधों की पारंपरिक प्रकृति पर गहरा असर पड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप वैवाहिक मामलों से जुड़े अपराधों में भी वृद्धि देखी जा रही है। उनका मानना है कि सतही और क्षणभंगुर रिश्ते दीर्घकालिक प्रतिबद्धताओं की नींव को कमजोर कर रहे हैं, जिससे रिश्तों में अस्थिरता और धोखाधड़ी के मामले बढ़ रहे हैं। अपने सामाजिक संदेश के अलावा, कंगना हाल ही में स्ट्रीमिंग रियलिटी शो लॉकअप के नए सीजन में एक मेहमान के रूप में नजर आईं, जहाँ उन्होंने जेलर की भूमिका निभा रहे फराह खान और रितेश देशमुख के प्रदर्शन की सराहना की। शो के पहले सीजन की सफल मेजबान रह चुकी कंगना ने बताया कि फराह और रितेश ने प्रतियोगियों के साथ व्यवहार करते समय पूरी निष्पक्षता दिखाई है, साथ ही जब टास्क की बात आती है तो वे किसी भी तरह का समझौता नहीं करते। उन्होंने कहा, फराह और रितेश ने लॉक अप को वही मजबूत नेतृत्व दिया है, जिसकी इसे जरूरत थी। वे निष्पक्ष, निडर और प्रतियोगियों को जिम्मेदारी का एहसास कराने के मामले में बिल्कुल समझौता न करने वाले रहे हैं।

शिल्पा मंजूनाथ का फिटनेस को लेकर बदला नजरिया

तमिल और कन्नड़ सिनेमा में अपनी प्रभावशाली परफॉर्मेंस के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस शिल्पा मंजूनाथ ने हाल ही में खुलासा किया है कि फिटनेस को लेकर उनका नजरिया पूरी तरह से बदल गया है। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर वर्कआउट करते हुए एक प्रेरणादायक वीडियो पोस्ट किया और इसके साथ अपने विचारों को साझा किया। उन्होंने लिखा, हाल ही में फिटनेस को लेकर मेरा नजरिया बदला है। एक समय था जब मैं हफ्ते के सातों दिन जिम जाती थी, एक निश्चित रूटीन का पालन करती थी। अब मैं ऐसे दौर में हूं, जहां मैं एक्सपेरिमेंट करना चाहती हूं, मजे करना चाहती हूं और फिट रहते हुए इस सफर का आनंद लेना चाहती हूं। यह बदलाव उनके लिए एक व्यक्तिगत विकास को दर्शाता है, जहाँ अब फिटनेस केवल शारीरिक लक्ष्यों को प्राप्त करने से बढ़कर एक समग्र अनुभव बन गया है। शिल्पा ने आगे बताया, मेरे लिए फिटनेस का मतलब अब सिर्फ वजन उठाना या वजन मशीन पर कोई नंबर देखना नहीं है। इसका मतलब है अपने शरीर को अलग-अलग तरीकों से मूव करना, नई चीजें आजमाना और एक्टिव रहने में खुशी ढूंढना है। शिल्पा का यह नया दृष्टिकोण शारीरिक गतिविधियों को अधिक आनंददायक और टिकाऊ बनाने पर केंद्रित है। एक्ट्रेस ने कहा कि इसके बावजूद वेट ट्रेनिंग और योग अभी भी उनकी फिटनेस की नींव हैं। वे उन्हें मजबूत, जमीन से जुड़ा और संतुलित रखते हैं, जबकि वह बाकी चीजें भी एक्सप्लोर करती रहती हैं। वह मानती हैं कि फिटनेस को व्यक्ति की जरूरतों और जीवनशैली के साथ बदलना चाहिए, और अभी उन्हें यह रूप सबसे ज्यादा खुशी देने वाला लगता है। उनका मानना है कि हर व्यक्ति को अपनी फिटनेस यात्रा का आनंद लेना चाहिए और अपने शरीर को सुनना चाहिए।

सिर्फ एक हफ्ते पहले, एक्ट्रेस ने अपनी ट्रेनर का शुक्रिया अदा करते हुए एक पोस्ट किया था, जिन्होंने उन्हें हर दिन और मजबूत बनने के लिए प्रेरित किया था। उस पोस्ट में शिल्पा ने कहा था, मजबूत रहो। व्यस्त रहो। मजबूत महिलाएं सिर्फ शरीर नहीं बनातीं, वे अनुशासन, आत्मविश्वास और मुश्किलों से उबरने की क्षमता भी बनाती हैं। मेरी ट्रेनर का बहुत-बहुत धन्यवाद जिन्होंने मुझे हर दिन और मजबूत बनने के लिए प्रेरित किया। यह दिखाता है कि उनका फिटनेस के प्रति यह बदला हुआ नजरिया एक सतत प्रक्रिया का परिणाम है, जिसमें शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की मजबूती शामिल है। एक्ट्रेस शिल्पा मंजूनाथ जल्द ही डायरेक्टर प्रवीण एस. विजय की बहुप्रतीक्षित कोर्टरूम ड्रामा फिल्म सत्यवान सावित्री में नजर आएंगी, जिसमें कीर्ति सुरेश और डायरेक्टर मिश्किन मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म इस साल 24 जुलाई को रिलीज होने वाली है, और दर्शकों को इसका बेसब्री से इंतजार है। फिल्म यूनिट से जुड़े सूत्रों ने बताया है कि फिल्म दो वकीलों के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनके किरदार कीर्ति सुरेश और डायरेक्टर मिश्किन ने निभाए हैं।

कुनाल खेमू ने होस्टिंग डेब्यू पर सलमान खान से तुलना को नकारा

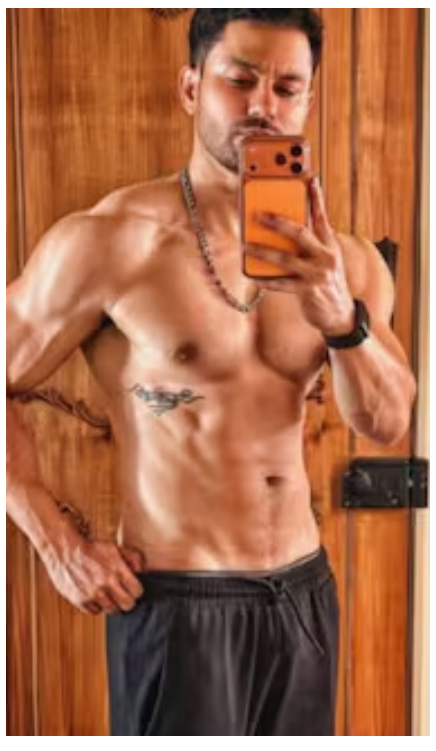

अभिनेता कुनाल खेमू ने हाल ही में रियलिटी शो एलायंस के साथ होस्ट के रूप में अपने डेब्यू के बाद मीडिया से बात करते हुए सलमान खान से की जा रही तुलना के बारे में अपनी बेबाक राय रखी। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह इस तरह की तुलना के बारे में बिल्कुल नहीं सोच रहे हैं। कुनाल ने कहा कि वह इस शो में बिना किसी पूर्वधारणा के प्रवेश कर रहे हैं और उनका एकमात्र लक्ष्य अपने स्वाभाविक अंदाज में रहना है। एक बातचीत के दौरान जब कुनाल से पूछा गया कि क्या उनके मन में सलमान खान से तुलना का विचार है, जो पिछले एक दशक से अधिक समय से रियलिटी शो की दुनिया का एक बड़ा चेहरा रहे हैं, तो उन्होंने आत्मविश्वास के साथ जवाब दिया, मैंने इस बारे में बिल्कुल नहीं सोचा। लोग मुझसे बहुत पहले से यह काम कर रहे हैं और बहुत अच्छे तरीके से कर रहे हैं। कुनाल ने अपनी ईमानदारी व्यक्त करते हुए कहा कि वह किसी की शैली की नकल करने का इरादा नहीं रखते हैं, और न ही जानबूझकर खुद को दूसरों से अलग दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। कुनाल खेमू ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, आपकी सोच और परवरिश ऐसी होती है कि शायद आपको लगता है कि यही तरीका है, क्योंकि आपने कुछ और देखा ही नहीं है। इसलिए मैं न तो किसी की नकल करने की कोशिश कर रहा हूं और न ही किसी से अलग बनने की। कुनाल ने स्वीकार किया कि यह उनके लिए पूरी तरह से एक नया अनुभव है और उन्हें खुद भी नहीं पता कि समय के साथ वह किस तरह के होस्ट बनकर उभरेंगे। उन्होंने अपने सहज दृष्टिकोण को दोहराते हुए कहा, जैसा मैंने बताया, मैं इसमें बिना किसी तय योजना के उतर रहा हूं। मुझे खुद भी नहीं पता। हो सकता है बाद में कोई कहे कि मेरी यही शैली बन गई या यह कुछ अलग है। मुझे नहीं पता। मैं बस वही कर रहा हूं जो मुझे सही लगता है। उनका मानना है कि होस्टिंग के क्षेत्र में उनकी अपनी एक अलग पहचान बनेगी, जो उनके स्वाभाविक व्यक्तित्व और शैली से प्रेरित होगी, न कि किसी और की नकल से। यह उल्लेखनीय है कि सलमान खान भारतीय टेलीविजन पर रियलिटी शो होस्टिंग के पर्याय बन गए हैं। वह अब तक सबसे लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस के 15 सीजन होस्ट कर चुके हैं और उन्हें इस क्षेत्र के सबसे सफल और लोकप्रिय होस्ट्स में गिना जाता है। ऐसे में किसी भी नए होस्ट की तुलना उनसे होना स्वाभाविक है। हालांकि, कुनाल खेमू अपने स्वयं के मार्ग पर चलने और दर्शकों के साथ एक प्रामाणिक जुड़ाव बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित दिख रहे हैं।

डीप वी-नेक आउटफिट में रकुल प्रीत सिंह ने ढाया कहर, तस्वीरों ने जीता फैंस का दिल

बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह एक्टिंग के साथ-साथ अपने लाजवाब फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। वेस्टर्न आउटफिट हो या ट्रेडिशनल एथनिक वियर, रकुल हर लुक को बेहद ग्रेस और कॉन्फिडेंस के साथ कैरी करती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने नए फोटोशूट की कुछ बेहद हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं, जिसने इंटरनेट पर आते ही तहलका मचा दिया है। इस नए अवतार में रकुल का बोल्ड और सिजलिंग लुक देखने को मिल रहा है, जिसे देखकर फैंस अपनी नजरें नहीं हटा पा रहे हैं। तस्वीरों में रकुल मिरर-वर्क को-ऑर्ड सेट पहने नजर आ रही हैं। रकुल ने चारकोल/डार्क ग्रे शेड का एक बेहद खूबसूरत को-ऑर्ड सेट पहना है। इसके ऊपरी हिस्से में एक प्लंजिंग डीप वी-नेकलाइन वाला स्लीवलेस ब्लाउज है। इस ब्लाउज पर मिरर वर्क और क्रिस्टल्स का बेहद बारीक और चमकीला काम किया गया है। बॉटम के लिए रकुल ने इसी मैचिंग फैब्रिक का बॉडी-हगिंग और नीचे से फ्लेयर्ड स्कर्ट-पैंट कैरी किया है। यह आउटफिट उनकी परफेक्टली टोंड मिड्रिफ और कर्वी फिगर को बेहद खूबसूरती से फ्लॉन्ट कर रहा है। अपने इस बोल्ड लुक में एलीगेंस जोड़ने के लिए उन्होंने मैचिंग लैवेंडर-ग्रे टोन का दुपट्टा कैरी किया है। इस दुपट्टे के किनारों पर लगी शिमरी फ्रिंज उनके हर मूवमेंट में एक ड्रामेटिक और रॉयल टच जोड़ रही है। तस्वीरों में रकुल एक से बढ़कर एक अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। कभी लकड़ी के भारी दरवाजे का सहारा लेकर कैमरे की तरफ देख रही हैं, तो कभी साइड-प्रोफाइल पोज देते हुए अपनी परफेक्ट बॉडी लाइन को फ्लॉन्ट कर रही हैं।

आवारापन 2 में दिशा पाटनी का भावुक अवतार

फिल्म आवारापन 2 का बहुप्रतीक्षित पहला गाना वे जुनून आखिरकार दर्शकों के सामने आ गया है, और इसने अपनी भावनात्मक गहराई से तुरंत सबका ध्यान खींच लिया है। यह गीत उस संवेदनशील और तड़प भरी दुनिया के प्रति पूरी तरह से ईमानदार रहता है, जिसके लिए मूल आवारापन फ्रेंचाइज़ी को आज भी याद किया जाता है। हालांकि, इस गाने में सबसे अधिक प्रभावित करने वाला पहलू अभिनेत्री दिशा पाटनी की उपस्थिति है। वह इमरान हाशमी के साथ एक नई और ताज़ा केमिस्ट्री लेकर आई हैं, लेकिन इस ताज़गी के साथ उन्होंने फिल्म के उस भावनात्मक माहौल को कहीं भी कम नहीं होने दिया, जिसने पहली फिल्म को कल्ट क्लासिक का दर्जा दिलाया था। वे जुनून की कहानी मुख्य रूप से इमरान हाशमी के किरदार की तड़प, तलाश और इंतज़ार के इर्द-गिर्द घूमती है। उनका किरदार अतीत की यादों में खोया हुआ है, किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश में है जिसे वह भुला नहीं पा रहा।

ऐसे में दिशा पाटनी एक ऐसी याद बनकर उभरती हैं, जिसे इमरान का किरदार अपने दिल से निकाल ही नहीं सकता। उनका शांत व्यक्तित्व, उनकी हल्की मुस्कान, एक ठहरी हुई नज़र या साथ बिताया गया कोई भी छोटा-सा पल यह स्पष्ट करने के लिए पर्याप्त है कि वह इमरान के किरदार के लिए कितनी मायने रखती हैं। दिशा पाटनी को अक्सर उनकी ऊर्जावान, ग्लैमरस और एक्शन से भरपूर भूमिकाओं के लिए जाना जाता है, लेकिन वे जुनून उन्हें एक ऐसा मंच प्रदान करता है जो उनके पिछले अभिनय से बिल्कुल भिन्न है। यहां न कोई भव्य नृत्य है और न ही संवादों का शोर। गीत की शुरुआत में उनकी पहली झलक लाल रंग की पोशाक में वायलिन बजाते हुए दिखाई देती है, जो उनकी शांत और कलात्मक छवि को दर्शाता है। वहीं, एक अन्य दृश्य में वह सफेद रंग की खूबसूरत पोशाक पहनकर प्रार्थना करती नजर आती हैं, जिसमें उनकी सादगी और मासूमियत बेहद मनमोहक लगती है। इस गीत में दिशा को अपने हाव-भाव और आँखों की भाषा से कहानी कहनी थी, और उन्होंने इसे बेहद संयमित, सच्चे और दिल को छू लेने वाले अंदाज़ में निभाया है। वेलकम टू द जंगल जैसी व्यावसायिक सफलता का आनंद ले रहीं दिशा इस गंभीर और भावनात्मक कहानी कहने की शैली में भी पूरी तरह सहज नजर आती हैं, जो आवारापन की पहचान रही है। इमरान हाशमी के साथ उनकी जोड़ी भी बेहद स्वाभाविक और गहरी लगती है। इमरान का सधा हुआ अभिनय हमेशा उन कलाकारों के साथ सबसे प्रभावशाली रहा है जो अनावश्यक रूप से ध्यान आकर्षित करने की कोशिश नहीं करते, और दिशा इस लय को बखूबी समझती हैं। वह केंद्र में आने की कोशिश नहीं करतीं, बल्कि हर दृश्य को अपनी उपस्थिति से पूरा करती हैं, जिससे दोनों के बीच का रोमांस उसी सहजता और परिपक्वता से उभरता है जिसकी इस फिल्म की भावनात्मक दुनिया मांग करती है। मिथुन द्वारा संगीतबद्ध, सईद क़ादरी के मार्मिक गीतों और सुबोध शर्मा की प्रभावशाली आवाज़ से सजा वे जुनून उस उदासी और भावनात्मक गहराई को बरकरार रखता है जिसे दर्शक इस फ्रेंचाइज़ी से जोड़कर देखते हैं। साथ ही यह गाना फिल्म की नई मुख्य अभिनेत्री दिशा पाटनी से भी दर्शकों का परिचय कराता है, उन्हें सिर्फ पिछली अभिनेत्री की जगह भरने वाली कलाकार के रूप में नहीं, बल्कि इस नई कहानी के अध्याय में अपनी अलग और सशक्त पहचान बनाने वाली कलाकार के रूप में प्रस्तुत करता है।

एल्युमिनियम बनाम स्टेनलेस स्टीलः इन प्रेशर कुकर्स में से किसका चयन करना है बेहतर?

प्रेशर कुकर्स खाना पकाने का एक सुरक्षित और सुविधाजनक तरीका है। ये उच्च तापमान और प्रेशर के तहत भोजन को तेजी से पका सकते हैं। हालांकि, जब बात प्रेशर कुकर्स की हो, तो बाजार में एल्युमिनियम और स्टेनलेस स्टील दोनों प्रकार के कुकर्स उपलब्ध हैं। इस लेख में हम जानेंगे कि एल्युमिनियम और स्टेनलेस स्टील में से किसका चयन करना अधिक सुरक्षित और लाभकारी है ताकि आप अपने रसोई के लिए सही विकल्प चुन सकें। एल्युमिनियम प्रेशर कुकर्स हल्के होते हैं और जल्दी गर्म होते हैं, जिससे खाना पकाने का समय कम होता है। ये कुकर्स आमतौर पर सस्ते होते हैं और इनका उपयोग लंबे समय तक किया जा सकता है। एल्युमिनियम कुकर्स अच्छे तापमान वितरण प्रदान करते हैं, जिससे खाना समान रूप से पकता है। हालांकि, इन पर ध्यान देना जरूरी है क्योंकि अगर इन्हें तेज आग पर रखा जाए तो ये खराब हो सकते हैं। स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स अधिक मजबूत होते हैं और लंबे समय तक चलते हैं। इनका उपयोग कई वर्षों तक किया जा सकता है। स्टेनलेस स्टील कुकर्स में खाना पकाने से कोई हानिकारक रसायन नहीं निकलते, जिससे सेहत पर कोई असर नहीं पड़ता। ये कुकर्स साफ करने में भी आसान होते हैं और इनका डिजाइन आकर्षक होता है। स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स में खाना पकाने से पोषक तत्व भी सुरक्षित रहते हैं। जब बात सेहत की आती है, तो स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स अधिक सुरक्षित माने जाते हैं। एल्युमिनियम कुकर्स में कभी-कभी एल्युमिनियम के कण भोजन में मिल सकते हैं, जो सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं। स्टेनलेस स्टील कुकर्स में खाना पकाने से कोई हानिकारक रसायन नहीं निकलते, जिससे ये सेहत पर कोई असर नहीं डालते। इसलिए अगर आप अपनी सेहत को लेकर चिंतित हैं तो स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स का चयन करना बेहतर होगा। कीमत दोनों प्रकार के कुकर्स में भिन्नता हो सकती है। एल्युमिनियम कुकर्स सस्ते होते हैं, लेकिन इनकी उम्र कम होती है, वहीं स्टेनलेस स्टील कुकर्स महंगे होते हैं, लेकिन इनकी उम्र लंबी होती है और देखभाल भी आसान होता है। अगर आप लंबे समय तक उपयोग करने योग्य कुकर चाहते हैं तो स्टेनलेस स्टील कुकर्स का चयन करें। हालांकि, अगर आपका बजट सीमित है तो आप एल्युमिनियम कुकर्स भी ले सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि इन्हें सुरक्षित रखें। एल्युमिनियम और स्टेनलेस स्टील दोनों प्रकार के प्रेशर कुकर्स अपने-अपने फायदे और नुकसान रखते हैं। अगर आप सुरक्षित, मजबूत और सेहतमंद विकल्प चाहते हैं तो स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स सबसे अच्छा विकल्प होगा। एल्युमिनियम कुकर्स सस्ते होते हैं, लेकिन इनकी उम्र कम होती है और सेहत पर असर डाल सकते हैं।

बारिश और व्हाइट कपड़ों की दीवानी हैं मन्नत फेम आयशा सिंह, बोलीं- शूट के बाद भीगने चली गई

टीवी एक्ट्रेस आयशा सिंह इन दिनों अपने सीरियल मन्नतः हर खुशी पाने की को लेकर सुर्खियों में हैं. शो की कहानी, उनका किरदार और अभिनय दर्शकों को बहुत पसंद आता हैं. इसी बीच आयशा ने खुलासा किया कि उन्हें बारिश का मौसम बहुत पसंद हैं. इतना ही नहीं, उन्हें जब भी मौका मिलता है, वो बारिश में भीगने चली जाती हैं. आयशा ने कहा कि शूट खत्म होते ही मैं बारिश में चली गई. मैंने टीम से पूछा कि क्या मैं भीग सकती हूं? उन्होंने कहा हां. फिर मैंने एक सेकंड भी वेस्ट नहीं किया. बारिश की बूंदें एक अलग सुकून देती है. उनके इस बयान से लगता है कि वो इस मौसम को खुलकर जीती है और अपने दिन को एंजॉय करती हैं. जहां बारिश में कई सेलेब्स को व्हाइट कलर के कपड़े पहनना पसंद नहीं हैं क्योंकि भीगने के बाद वो ट्रांसपेरेंट हो जाते है. वहीं आयशा के ख्याल इससे बिल्कुल अलग हैं और उन्हें इस कलर से कोई परेशानी नहीं है. उन्होंने कहा, मुझे व्हाइट आउटफिट बहुत पसंद हैं. व्हाइट पे गो क्रेजी. बारिश के साथ व्हाइट कपड़े का कॉम्बिनेशन कैमरे पर सबसे खूबसूरत लगता है. हालांकि आयशा को शॉर्ट्स, टी-शर्ट और फ्लिप-फ्लॉप वाला कैजुअल स्टाइल भी बहुत पसंद हैं.

वहीं बात करें सीरियल की, तो इसकी शुरुआत पिछले साल जनवरी में हुई, जो कलर्स टीवी पर प्रसारित होता है. शो की कहानी मन्नत नाम की लड़की की है, जिसका सपना शेफ बनने का है. हालांकि उसकी जिंदगी में कई ऐसे मोड़ आते है, जिससे उसकी जिंदगी बदलती हुई नजर आती है. इसके बावजूद वो हार नहीं मानती और अपने परिवार के लिए खड़ी नजर आती हैं.

'We'll expose you' for trial delay: SC to Maharashtra

New Delhi, Agency: Putting a premium on the liberty of arrested people, Supreme Court Friday said though it was endemic for states to oppose bail pleas tooth and nail, no corresponding steps were taken to expedite trials despite the apex court's repeated rulings that accused have a fundamental right to a speedy trial.

Days after imposing a fine of Rs 50,000 on the Amritsar SP after finding Punjab was not taking steps to produce an accused before the trial court to expedite the proceedings but was opposing his bail plea even though he had

been in custody for a long period, a bench of Justices Ahasanuddin Amanullah and Sheel Nagu found Maharashtra remiss on a similar count. Disapproving the negligent attitude that dents the right to a speedy trial, the bench said, "Every day we get cases of this nature from Maharashtra - oppose bail tooth and nail but not take steps to expedite trial. When we examine the case, the evidence is weak. We will expose you (the state) in public."

The man in question has been in jail for four years, and only two of 34 witnesses have been examined so far, the bench said. The accused, foreign national Kelvin Chindozie Okoro, was arrested in May 2022 for kidnapping and murder. HC had rejected his bail plea twice - in June 2024 and on March 17 this year.

Okoro said he had been in custody for four years and his case was listed before the trial court on 86 dates, but he was not produced before the court on 53 occasions.

Cancer patient dead her plea for drug listed 57 times for hearing

New Delhi, Agency: A writ petition for access to a life-saving breast cancer medicine, Ribociclib, filed before Kerala high court in June 2022 has been listed for final hearing 57 times since Jan 21, 2023, without the matter being heard.

The working group on access to medicines has written to Chief Justice of India, requesting him to consider steps to expedite the hearing to ensure justice for those who need the medicine urgently. The petitioner died in the early stage of the case, after which the HC decided to continue it suo motu, given the larger public interest.

'Petitioner death exposes cost of judicial delays': The working group comprises patient advocates, patient groups, civil society organisations, academics, and lawyers.

Breast cancer is one of the most common cancers among women in India. The Global Cancer Observatory report of 2022 said India reported more than 1.9 lakh new cases and 98,300 deaths.

"Official data tabled in Parliament by the ministry of health and family welfare in early Feb 2026 made an estimated projection of 2.4 lakh. Among these, patients with Luminal A (HR+/HER2-) breast cancer, an invasive subtype that can spread to other parts of the body, require targeted medicines, such as Ribociclib and Abemaciclib, to save their lives. These medicines are critical for HR+HER2- patients because these medicines can be used to treat patients at an early stage. However, these medicines are prohibitively expensive as they are under patent protection (Ribociclib is over Rs 78,400 per month and Abemaciclib Rs 47,700 to 95,500 per month)," the letter to the CJI said. The petition sought a govt use licence under Section 100 of Patent Act, which could have enabled access to Ribociclib at affordable prices.

"A govt use licence facilitates production of the generic version of the drug locally, and at an affordable price. Often, the price of the generic versions is 90%-95% cheaper than that of the originator. While the govt acknowledged the medicine's effectiveness, it refused to issue a govt use licence, stating that breast cancer did not constitute a matter of national urgency," the group explained in the letter. It added that the govt has not provided a reasoned response regarding access to life-saving medicines and the enjoyment of right to health. After deciding to continue the case suo motu, the court appointed an amicus curiae and the various respondents, including the Union of India, filed detailed responses.

Rajpal Yadav gets 3-month jail in cheque-bounce cases

New Delhi, Agency: Delhi HC Friday upheld the conviction of actor Rajpal Yadav in multiple cheque-bounce cases and sentenced him to three months' imprisonment. "Law is not a script that can be rewritten at the will of an actor, nor can legal positions be altered with every change of strategy, whosoever the litigant may be," Justice Swarana Kanta Sharma observed.

HC ordered Yadav to pay over Rs 1 crore to the complainant in each of the seven cases. The Rs 2 crore (approx.) already paid by the actor shall be adjusted, HC said, keeping the sentence in abeyance for two months to allow Yadav time to appeal. HC also fined the actor's wife, Radha Rajpal Yadav, around Rs 5.5 lakh in each case, payable to the complainant, and warned of a three-month jail term if she fails to pay.

In a 108-page verdict, HC said Yadav repeatedly failed to honour his undertakings on making payment to the complainant, M/s Murali Projects Pvt Ltd, and while the court made "earnest efforts" to facilitate an amicable resolution in the matter, the actor ultimately categorically refused to make any further payment.

Breast cancer survival rate up, but India lags behind rich nations: WHO

New Delhi, Agency: The breast cancer survival rate has steadily improved in India over the years, yet only about two of three women diagnosed with the disease survive for at least five years, according to World Health Organization's first country-wise survival estimates, underscoring the need for earlier diagnosis and timely treatment.

India's estimated five-year breast cancer survival rate for women diagnosed during 2017-2021 stands at 65.7%, compared with a global median of 77.8%, according to the WHO estimates published in 'Nature Medicine'. Survival reaches 87.3% in high-income countries,

Parliamentary panel to review NEET conduct on July 16 after re-test

New Delhi, Agency: The Parliamentary Standing Committee on Health and Family Welfare will meet on July 16 to discuss the conduct of the National Eligibility-cum-Entrance Test (NEET) under the National Medical Commission (NMC) Act, 2019, weeks after the medical entrance examination was re-conducted following the cancellation of the original test over alleged paper leak.

The panel, headed by Rajya Sabha MP Ram Gopal Yadav, will also examine the organisational structure, mandate and functional proficiency of regulatory institutions under the Union health ministry. The original NEET-UG examination, held on May 3, was cancelled after

allegations of a paper leak and was re-conducted on June 21. The July 16meeting is expected to review the examination process and the role of regulators under the NMC Act. A day earlier, on July 15, the panel will meet to discuss the affordability and accessibility of healthcare facilities in the public and private sectors.

AIMIM, NCP women BMC corporators disqualified over invalid caste certificates

New Delhi, Agency: Two women corporators of the Brihanmumbai Municipal Corporation (BMC), one each from the All India Majlis-e-Ittehadul Muslimeen (AIMIM) and the Nationalist Congress Party (NCP), were disqualified on Friday after separate district verification committees declared their caste validity certificates invalid. The action, announced by Mumbai mayor Ritu Tawde during the civic body's general meeting, takes the number of corporators disqualified on similar grounds in the 227-member BMC house to four within a month.

The disqualified corporators are Roshan Shaikh of AIMIM, elected from Ward 138, and Bushra Nadeem Malik of the NCP, who represented Ward 170 in Kurla East.

Both had been elected from seats reserved for the Other Backward Classes (OBC) women category. Mayor Tawde said separate district caste certificate verification committees had, following scrutiny, declared the caste validity certificates submitted by both corporators invalid.

30% deletions in Daman & Diu SIR draft roll

New Delhi, Agency: In the Union territory of Daman and Diu and Dadra and Nagar Haveli, 29.7% of electors have been deleted from the draft electoral roll published on Friday, with officials overseeing the SIR (special intensive revision attributing the unique trend to the UT's large migrant workforce and heavily industrialised economy.

The largest share of deletions - 22.5% of the electorate - comprised voters who were marked absent or untraceable as they were not found on their registered addresses despite multiple visits by BLOs. Another 4.6% had permanently shifted, 1.7% had died, 0.6% were registered at multiple places, and 0.2% were deleted under the "others" category.

Final voter roll on August 11

Of the UT's 4.28 lakh electors, just over 3 lakh, or 70.3%, submitted enumeration forms on June 4, when the SIR was announced. The remaining were removed from the draft roll.

"The latest survey by the health department put the UT's population at 6.8 lakh, of which around 3 lakh were migrants," an officer involved in SIR told Media. While 29.7% is the highest rate of deletion so far in any state/UT at the draft roll stage, it is not the final figure, as deleted names can be added back during the claims and objections period. Also, fresh enrolments (through Form 6) will also lead to some additions. The final roll will be published on August 11.

FCI makes distilleries accountable for subsidised rice, warns of criminal cases

New Delhi, Agency: Food Corporation of India (FCI) has tightened safeguards for the lifting and use of subsidised rice supplied to distilleries under govt's ethanol blending programme, making distilleries directly accountable for any diversion or misuse of the released grain. In case of misuse or diversion, FCI will file criminal cases. The move is aimed at preventing diversion of subsidised foodgrain and strengthening oversight of the ethanol supply chain.

In its revised "operational guidelines" circulated to all field officers, FCI said before the rice is released, the depot manager will obtain a written undertaking from the authorised representative of the distillery stating that it will be solely responsible for the proper utilisation of the subsidised rice after it leaves FCI depots.

"In case any other use/ misuse of the rice other than specifically indicated in the instant release order, is found on the part of the distillery, or comes to the notice/ knowledge of FCI through any source, at any stage, during or after the execution of the process/ transaction, FCI reserves the right to take appropriate action including criminal action against the party/ agency," the guidelines said.

Cong demand for seat parity highlights fault line with SP

New Delhi, Agency: The new Congress in-charge for UP, Rajendra Pal Gautam, kickstarted his innings with a demand for parity and respect from Samajwadi Party for the coming UP elections, accentuating the fault line of "seat distribution" that has dogged the alliance in the past. It has raised concerns in some quarters that such debate is distracting from serious issues to corner the governing BJP. Congress's focus on its organisational building across the state - a shorthand for larger seat share - defies the urgency that SP has sought to insert in the preparation for the state elections scheduled for Feb 2027.

Only days ago, SP chief Akhilesh Yadav had litigated the issue in the meeting of INDIA bloc by making a forceful plea that Congress show a big heart toward regional parties. It echoed the unease among sections of the UP alliance over the delay in finalising the seat-sharing arrangement.

In the meeting, sources said, Akhilesh had asked Congress to give primacy to regional parties on their turfs - which could be seen as a plea to Congress to be "reasonable". Apparently giving the example of 2024 Lok Sabha deal, he argued that allocating 17 seats to Congress against a lesser planned tally hampered the alliance's ability to secure better results. A senior opposition member said the SP chief even named specific constituencies which the alliance lost but could have won. Interestingly, he is said to have pleaded with Congress that it should trust the judgment of the regional parties in states, per the senior INDIA bloc member. The remarks appeared to press for an early start and conclusion of tie-up formalities to kickstart the UP campaign, as Akhilesh is said to have noted that the challenge for opposition has increased after the defeat of like-minded parties in Bihar and Bengal. What seems to worry sections of UP allies is that Congress' "easy approach" is made worse by repeated remarks from its functionaries seeking a high share of seats from SP - which has triggered a constant to-and-fro among local functionaries of the two camps.